पाक्षिक
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड
Postal Registration No : BHILWARA/208/2018-2020 Posting on 09-09-2020 at Rail Mail Service, Bhilwara
वर्ष-23 अंक-06 भीलवाड़ा/ 07 सितम्बर, 2020 कुल पृष्ठ- 08 मूल्य : 15 रुपए

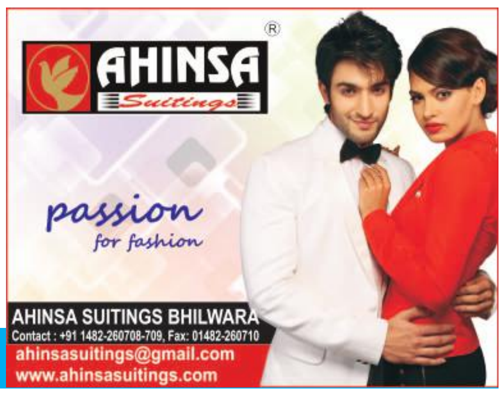

दीपावली के निकट अच्छा चलेगा कारोबार
लेकिन अभी धन की कमी से ग्राहकों का टोटा

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

गारमेण्ट की कारोबारी स्थिति में सुधार होने के बजाय नीरस वातावरण बना है। त्योहारों के समय बाजार नहीं चले। अब पितृपक्ष शुरू हो रहा है,इसमें आमतौर पर कपड़ों में कारोबार कम ही रहता है। उसके बाद करीब एक महीना अधिक मास है, फिर नवरात्रि की शुरूआत से संभवतः बाजार में कोई करेंट आए। न तो रिटेल में और न ही उत्पादन स्तर पर कोई जोर है। बड़े स्टोर्स पहले के स्टॉक से भरे पड़े हैं, इस बार ऑफ सीजन में स्टॉक को निकाल कर नये स्टॉक भरने के अवसर का कोई लाभ इन रिटेल स्टोर्स को नहीं मिला है। दूसरे लोगों की खरीद शक्ति इतनी घट गई कि बाजारों में धन की भारी कमी के साथ ही साथ ग्राहकों का इतना टोटा पहले कभी नहीं देखा गया।

रेडीमेड गारमेण्ट कारखाने पूरी तरह से कार्यरत नहीं हो सके हैं। त्योहारी ग्राहकी में कोई दम नहीं था। रिटेल स्तर पर खुले बाजारों में ग्राहकों की डिमांड नहीं दिखाई दे रही है। व्यवसायियों को ऐसा लग रहा था कि सितम्बर तक कोरोना की स्थितियां सामान्य हो जाएगी और दीपावली जैसे त्योहारों के समय बाजार में ग्राहकी का जोर रहेगा, लेकिन व्यापारियों का यह अनुमान गलत साबित हुआ है। कोरोना केस कम होने के बदले बढ़े हैं, यह चिंतनीय है। लोगों में कोरोना का भय कम हो रहा है और धड़ल्ले से सुरक्षा को नजर अंदाज करने से यह नौबत आ रही है। करीब पांच महिने की बंदी के बाद अनुमान है कि आगे कारोबार अच्छा चलेगा तथा हुए नुकसान की कुछ भरपाई त्योहारी सीजन में हो सकती है।

मौजूदा दौर अत्यंत ही निराशाजनक है। इस महामारी का भयंकर असर लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ा है। आर्थिक संकट सभी जगह गहराता जा रहा है। अब तो रिटेल महंगाई दर भी सुरसा की तरह मुंह फैला रही है। महानगरों की तुलना में टियर-2 एवं टियर-3 शहरों की स्थिति अभी अच्छी रही है। महानगरों में ठहराव देखा जा रहा है। गारमेण्ट कारोबार में भी यही ट्रेंड दिखाई दे रहा है। मॉल्स और बड़े रिटेल स्टोर्स में नये-पुराने स्टॉक की भरमार है। आकर्षक ऑफर भी ग्राहकों को अपनी ओर नहीं खीच सके। ज्यादातर इकाईयों का ध्यान अब उन शहरों की ओर अधिक है, जहां कारोबार बढ़ाने की संभावना अधिक है। अब तो दीपावली के निकट ही बाजार में करेंट आ सकता है।

मेडिकल, टेक्सटाइल्स के दम पर देश के गारमेंट उद्योग में 40% की वृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

कोविड-19 के कारण विश्व में उत्पन्न हुई स्थिति के कारण हालांकि देश से अनेक आइटमों के निर्यात में गिरावट की आशंका जताई जा रही है, लेकिन यह एक अच्छी खबर है कि गारमेंट उद्योग को चालू वित्त वर्ष के दौरान गारमेंट निर्यात में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी की आशा है। यह आशा मेडिकल टेक्सटाइल्स की बढ़ती मांग और देश में इसके उत्पादन में वृद्धि के दम पर है। अपेरल एक्सपोर्ट प्रोमोशन कौंसिल (एइपीसी) के चेयरमैन डा. ए शक्तिवेल ने कोंसिल की 41वीं आम साधारण बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि चालू वित्त वर्ष में देश से गारमेंट निर्यात में 40 प्रतिशत की वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि हम मेडिकल टेक्सटाइल के निर्यात पर फोकस करके चालू वित्त वर्ष के दौरान गारमेंट निर्यात में 40 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं, इससे चालू वर्ष के दौरान देश से गारमेंट का कुल निर्यात वर्तमान स्तर 15.4 बिलियन डॉलर से बढ़कर 22 बिलियन डॉलर हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि हालांकि कोविड-19 ने वर्तमान इतिहास को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है लेकिन इसके बाद भारत और विश्व में तेजी से प्रगति होगी। उनका मानना है कि प्रत्येक विपत्ति अपने साथ अनेक अवसर लेकर आती है। वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल द्वारा अमेरिका के साथ प्रारम्भिक सीमित व्यापार सन्धि की पहल करने की घोषणा का स्वागत करते हुए डॉ. शक्तिवेल ने कहा कि अमेरिका में व्यापारिक माहौल बहुत अनुकूल है और यह माना जाता है कि ग्लोबल चेन में भारत एक भरोसेमंद भागीदार है। इसके लिए कौंसिल सरकार से पहले ही अमेरिका से मुक्त व्यापार संधि यानि एफटीए के लिए निवेदन करती आ रही है। इसके साथ कौंसिल सरकार से यूरोपीय समुदाय, यूके, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, कनाडा आदि से भी वर्तमान व्यापार संधि की समीक्षा के लिए कह रही है। उन्होंने बताया कि अमेरिका, यूके और यूरोपीय समुदाय के साथ एफटीए और आस्ट्रेलिया तथा कनाडा के साथ सीइपीए से आगामी तीन वर्षो में देश गारमेंट निर्यात को डबल करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कपड़ा मंत्री श्रीमति स्मृति जुबिन ईरानी द्वारा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि इससे उद्योग को लाभ होगा। उन्होंने आगे कहा कि कोविड-महामारी फैलने के कुछ महीनों के बाद ही भारत पीपीई किट्स का विश्व में दूसरा सबसे बड़ा निर्माता देश बन गया है। रेडीमेड गारमेंट उद्योग के कारोबार के लिए मेडिकल टेक्सटाइल कारोबार का एक नया स्त्रोत है और इसे ध्यान में रखते हुए ही सरकार ने पीपीई किट्स के कुछ आईटमों के निर्यात से प्रतिबंध उठा लिया है। उनका मानना है कि मेडिकल टेक्सटाइल विदेशी मुद्रा अर्जन का एक प्रमुख स्त्रोत बन सकता है। उन्होंने साथ ही कौंसिल के सदस्यों से अपील की कि वे मैन मेड फाईबर आधारित गारमेंट के क्षेत्र में पदार्पण करे, क्योंकि इसकी वैश्विक मांग अच्छी है, इसके अलावा आज के समय की आवश्यकता जल्दी से जल्दी एमएमएफ के विविध उत्पादों का उत्पादन आरंभ करने की है, क्योंकि विविधिकरण ही आज उद्योग की आवश्यकता है। कौंसिल भी विभिन्न एमएमएफ निर्माताओं के साथ एम ओ यू पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रही है, जिसमें रिलाइंस इंडस्ट्रीज सहित अनेक निर्माता शामिल हैं। इस प्रकार वैश्विक बाजार में एमएमएफ के रास्ते भारत से टेक्सटाइल निर्यात बढ़ सकता है।

डॉ. शक्तिवेल का मानना है कि विभिन्न फाईबर बेस के लिए आर एंड डी के अतिरिक्त तकनीक और प्रोसेससिंग की भी आवश्यकता है। इसके लिए कौंसिल हेड ऑफिस में एक आर एंड डी सेंटर की स्थापना भी कर रही है व वर्चुअल ट्रेड फेयर और प्रदर्शनियों की भी योजना बना रही है, क्योंकि अनेक देशों में लॉकडाउन से अंतर्राष्ट्रीय कारोबार प्रभावित हुआ है। वर्तमान परिस्थितियों में बी टू बी, बी टू सी और बी टू जी आदि को तैयार करने की भी महत्ति आवश्यकता है।

पाक से लुढ़का कॉटन यार्न निर्यात

नई दिल्ली/ कोविड के कारण उपभोक्ता देशों में मिलों की मांग कमजोर होने से पाकिस्तान से जुलाई में कॉटन यार्न के निर्यात में गिरावट आई है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार पाकिस्तान से जुलाई में कुल 28,400 टन कॉटन यार्न निर्यात किया गया, जो जून की तुलना में लगभग 21 प्रतिशत कम है। गत वर्ष जुलाई की तुलना में काटन यार्न निर्यात लगभग 27 प्रतिशत कम हुआ। पाकिस्तान से कॉटन फैब्रिक निर्यात जून की तुलना में 14.53 प्रतिशत बढ़कर 1,640 लाख वर्ग मीटर हुआ, हालांकि गत वर्ष जुलाई की तुलना में यह 3 प्रतिशत कम है। जुलाई के दौरान पाकिस्तान से टेक्सटाइल और गारमेंट का कुल निर्यात लगभग 9.60 प्रतिशत बढ़कर 1.273 बिलियन डॉलर हो गया।

फैबेक्सा वर्चुअल एग्जीबिशन का गुजरात के मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने किया उद्घाटन

अहमदाबाद/ 24 अगस्त 2020 को गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री श्री विजय रुपाणी ने 'फैबेक्सा वर्चुअल एग्जीबिशन' का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन के प्रेसिडेंट श्री गोरांग भगत, सेक्रेटरी श्री नरेश शर्मा, फैबेक्सा कमेटी के चेयरमैन श्री बाबूलाल सोनीगरा एवं फैबेक्सा कमेटी मेंबर श्री सोनू टेकवानी सहित सभी एक्जीबिटर्स को वर्चुअल एग्जीबिशन कराने के लिए बधाई दी। अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अब हम सभी को व्यापार में डिजिटल होने की जरूरत है और फैबेक्सा वर्चुअल एग्जिबिशन इसका अच्छा उदाहरण है। उन्होने बताया कि गुजरात राज्य देश का 33 प्रतिशत टेक्सटाइल प्रोडक्ट का उत्पादन करता है। जिसका क्रेडिट यहां के जुझारू टेक्सटाइल उद्यमियों को जाता है। अहमदाबाद एवं सूरत ऐसे ट्रेड सेंटर हैं, जो पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। लाखों लोगों को रोजगार देने वाले टेक्सटाइल सेक्टर में ग्रोथ के लिए हमारी सरकार भी भरपूर सहयोग कर रही है और भविष्य में भी इस व्यवसाय की उन्नति के लिए हर संभव मदद करती रहेगी। यह एग्जिबिशन 24 अगस्त से लगातार 90 दिन तक चलेगी, जिसमें देश-विदेश के गारमेण्ट्स निर्माता एवं फैब्रिक ट्रेडर्स बिना अहमदाबाद आये ऑनलाइन तरीके से व्यापार कर सकते है। इस एग्जिबिशन में विजिट करने के लिए व्यापारी events.fabexa.in पर लॉगइन करें।

कॉटन यार्न की मांग बढ़ने से भाव में आंशिक उछाल

मुंबई/ यार्न में कारोबार सामान्य होने लगा है। उत्पादन सेंटरों पर ग्रे कपड़ों का उत्पादन जोर पकड़ रहा है। लूमों पर कारीगरों की कमी श्रमिकों की वापसी से दूर हो रही है। आगे सीजन ठंडी की है, अतः मोटे कपड़ों की मांग अधिक होने के अनुमान के साथ बुनकरों का झुकाव ऐसे वस्त्रों के उत्पादन की ओर होता जा रहा है। बुनकरों की मांग अब कोर्स काउंट की निकल रही है। यार्न की आपूर्ति यथावत् है। पाइपलाइन में कोई दिक्कत नहीं है, मिलों के पास जरूरी यार्न का भरपूर स्टॉक है, तथापि कॉटन यार्न में आई तेजी से ग्रे सूती कपड़ों के भाव में उछाल आने से बाजार को बल मिल रहा है। मिलों का जोर पहले से पड़े विभिन्न किस्म के यार्न की डिलीवरी करने पर है।

मिलों के वेयर हाउसों में लॉकडाउन से पहले पड़े यार्न के स्टॉक की डिलीवरी सहज है। ये वेयर हाउस उत्पादन केंद्रों के निकट होने से इनके ट्रांसपोर्टेशन में भी अधिक दिक्कतें नहीं हैं। आमतौर पर ट्रांसपोर्ट में कामकाज सुचारू हो चुका है। स्टॉक एवं कामगारों की बीच में जितनी कमी थी, वह धीरे-धीरे कम हो रही है। मिलें नये यार्न बना कर यार्न का अधिक स्टॉक करने से बच रही है। यह स्थिति विशेषकर कॉटन यार्न में है, जिसके कच्चे माल के भाव धरातल छू रहे हैं। यार्न की खपत बढ़ने के आसार अधिक इसलिए हैं कि भिवंडी में लूमों पर कपड़ों का उत्पादन पिछली तुलना में बड़ी तेजी से रफ्तार पकड़ रहा है। बड़े एवं छोटे वीवर्स को भी कपड़ों के लिए प्रोग्राम मिल रहे हैं।

मेवाड़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स के चुनाव सम्पन्न

भीलवाड़ा

मेवाड़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री की 49वीं वार्षिक आमसभा में कार्यकारणी समिति व पदाधिकारियों के वार्षिक चुनाव आज वीडियो कॉन्फ्रेंस मीटिंग से सम्पन्न हुए। आमसभा के बाद कार्यकारणी समिति की प्रथम बैठक में श्री जी सी जैन को सर्वसम्मति से वर्ष 2020-21 के लिए अध्यक्ष चुना गया व श्री आर के जैन को पुनः मानद महासचिव चुना गया। श्री जी सी जैन कपड़ा निर्यातक स्टार एक्सपोर्ट हाउस सम्यक सिन्थेटिक्स के प्रबंध निदेशक हैं। वे सीए एवं सीएस है। जैन इससे पूर्व संगम इण्डिया लिमिटेड के प्रेसिडेन्ट रह चुके हैं।

हिन्दुस्तान जिंक के श्री सुजल शाह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आर एस ड्ब्ल्यू एम लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक श्री बी एम शर्मा एवं सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया के पूर्व कार्यकारी निदेशक डॉ. आर सी लोढा एवं जे के टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज कांकरोली के महाप्रबंधक श्री अनिल मिश्रा को उपाध्यक्ष चुना गया। श्री वी के मानसिंहका को संयुक्त सचिव एवं श्री कमल मोदी को कोषाध्यक्ष चुना गया।

इससे पूर्व मानद महासचिव श्री आर के जैन ने गतवर्ष की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि 25 मार्च 2020 से देश में कोराना महामारी के कारण सम्पूर्ण लोकडाउन लगाया गया, जो कि लगभग 31 मई 2020 तक चला। लोकडाउन के कारण औद्योगिक एवं व्यापारिक गतिविधियां काफी लम्बे समय तक बन्द रहने से आर्थिक व्यवस्था पर काफी प्रतिकूल असर पड़ा। अभी तक भी व्यावसायिक एवं औद्योगिक गतिविधियां पूरी तरह से व्यवर्स्थित नहीं हो सकी हैं, इसके कारण उद्योग एवं व्यापार जगत को गम्भीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है।

लोकडाउन के समय, आमजन को सहयोग एवं राहत देने के लिए मेवाड़ चेम्बर के सदस्य आगे आये। चेम्बर के सदस्यों द्वारा 22 करोड़ से अधिक की राशि का विभिन्न सहायता कोष के माध्यम से एवं जरुरतमंद व्यक्तियों को भोजन आदि उपलब्ध कराने में योगदान दिया गया।

लोकडाउन के दौरान उद्योगों को आ रही विभिन्न समस्याओं को लेकर चेम्बर ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। पूर्वाध्यक्ष श्री दिनेश नौलखा ने चेम्बर की ओर से केन्द्रीय कपड़ा मंत्री से वीडियो कॉन्फ्रेंस मीटिंग में टेक्सटाइल सेक्टर की विभिन्न समस्याओं को प्रस्तुत किया। माननीया कपड़ा मंत्री ने विभिन्न टास्क फॉर्स गठित किये, जिनमें मेवाड़ चेम्बर के प्रतिनिधि के रूप में श्री दिनेश नौलखा को सम्मिलित किया गया।

माननीय मुख्यमंत्री के उद्योग एवं औद्योगिक संगठनों से संवाद के कार्यक्रम में भीलवाड़ा का प्रतिनिधित्व चेम्बर के मानद महासचिव श्री आर के जैन ने किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये उद्योगों को आ रही समस्याओं के त्वरित समाधान का आग्रह किया। राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना के तहत अनुदान भुगतान लम्बे समय से नहीं होने का प्रकरण भी माननीय मुख्यमंत्री के सामने रखा गया। इस दौरान अनेक वीडियो कॉन्फ्रेंस संवाद, टेक्सटाइल कमिश्नर, टेक्सटाइल सचिव, राज्य के उद्योग मंत्री, राज्य के सहायक मुख्य सचिव उद्योग की ओर से आयोजित हुए, जिनमें मेवाड़ चेम्बर ने भाग लेकर विभिन्न प्रतिवेदन प्रस्तुत किये।

लोकडाउन के उपरान्त आर्थिक स्थिति एवं उद्योग, व्यापार के पुनः संचालन के लिए केन्द्रीय वित्त मंत्रालय, कपड़ा मंत्रालय, एम.एस.एम.ई. मंत्रालय की ओर से मेवाड़ चेम्बर से सुझाव मांगे गये। चेम्बर ने विभिन्न मंत्रालयों को अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रेषित किये।

इससे पूर्व चुनाव अधिकारी डॉ. पी एम बेसवाल ने नई कार्यकारणी सदस्यों की घोषणा की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री जी सी जैन ने इस अवसर पर कहा कि इन 54 वर्षो में मेवाड़ चेम्बर ने जिन ऊँचाईयों की छुआ है, उसमें श्री लक्ष्मीनारायण झुंझनुवाला जैसे यशस्वी व्यक्तित्व, सर्वश्री आर पी सोनी, आर एल नौलखा, जे सी लड्ढा एवं एस पी नाथानी आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

फिनिश माल में क्वालिटी उत्पाद के साथ शर्टिंग उत्पादन में किया नाम स्थापित ब्राइट स्टार

भीलवाड़ा

देश की अग्रणी सूटिंग उत्पादन कम्पनी ब्राइट स्टाइल टेक्सटाइल इण्डस्ट्रीज द्वारा अपने प्रमुख ब्राण्ड ब्राईट स्टार के अन्तर्गत विभिन्न रेंजों की क्वालिटी प्रॉडक्ट का निर्माण किया जा रहा है। कम्पनी के एमडी श्री चेतन्य अग्रवाल ने बताया कि हाल ही में हमारे द्वारा पीवी लाइक्रा, 2/16 × 2/60, 2/50 पीवी एचटी, की विभिन्न नई रेंजों को बाजार में लॉञ्च किया गया जिसको मण्डियों में व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ है, जिसमें चेक्स, डोबी एवं प्लेन में मल्टीकलर शेड में निर्मित उत्पादों को व्यापारियों ने काफी पसंद किया।

इसके अलावा कम्पनी में ग्रे सेल एवं फिनिश मालों के क्वालिटी उत्पादन के साथ ही यूनिफॉर्म फैब्रिक में स्कोलर, 24 केरेट्स व ऑटोग्राफ ब्राण्ड की अच्छी डिमाण्ड है। गौरतलब है कि कम्पनी 2/30 × 155, 2/30 × 2/30, 2/18 × 2/18 एवं 2/40 × 205 काउण्ट्स में माल तैयार कर रही है। श्री अग्रवाल ने बताया कि हमारी कम्पनी यूपी सरकार द्वारा एप्रूव्ड रेड चेक्स शर्टिंग का भी निर्माण कर रही है, जिनमें 36'' एवं 58'' पन्ना शामिल है।

पावरलूमों की हड़ताल समाप्त

बरेली / राजीव अरोड़ा

उत्तर प्रदेश पॉवरलूमों की हड़ताल 1 सितंबर से प्रारंभ हो चुकी थी, परंतु उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी जी से संपर्क कर इस समस्या का समाधान हो गया और उन्होंने उनकी (बुनकरों और पावरलूमों) मांग को मानते हुए उत्तर प्रदेश के नोडल अधिकारी श्री नवनीत सहगल जी ने दिनांक 1 जनवरी से 31 जुलाई तक का विद्युत शुल्क पूर्व की भांति करने को कहा, साथ ही आश्वस्त किया कि किसी प्रकार का यदि उत्पीड़न व्यापारियों के साथ होगा तो बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगा। उत्तर प्रदेश पावर लूम एवं बुनकर संघ के अध्यक्ष श्री हाजी इफ्तेखार अंसारी ने उपरोक्त जानकारी दी। उन्होंने आगे की रूपरेखा बताते हुए कहा कि जुलाई के बाद क्या निर्धारण होगा, कितना शुल्क लगेगा, इसका निर्णय कुछ समय पश्चात् होगा। सम्भवतया अगस्त से जो नया नियम लागू होगा, वह मान्य होगा।

माधवनगर में फिर लॉकडाउन

माधवनगर/ सत्यनारायण दायमा

कोरोना संक्रमण व बढ़ती बीमारियों के कारण फिर माधवनगर में 10 दिन के लिये लॉकडाउन कर जनता कर्फ्यू लगा दिया गया है। कोरोना वायरस इतना विकराल रूप धारण कर चुका है कि किसी का घर से भी निकलना भारी हो गया है। दिनों दिन बीमारी बढ़ती ही जा रही है तथा एक खौफ का वातावरण उत्पन्न हो गया है। रोज कोरोना पॉजीटिव का आंकड़ा बढ़ता ही जारहा है। सारा व्यापारिक कामकाज फोन से ही हो रहा है। हालात को देखते हुए जनता कर्फ्यू आगे बढ़ाये जाने की संभावना से भी इन्कार नहीं किया जा सकता है।

बाजार में सामान्य बिक्री

ब्यावर / अनिल डोसी

ब्यावर मार्केट में ग्राहकी धीमी गति से चल रही है। राजपूती ड्रेस का चलन निरन्तर बढ़ रहा है। मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, भीलवाड़ा, बालोतरा, पाली, जोधपुर से माल की आवक आवश्यकतानुसार हो रही है। ग्रे मार्केट में तेजी बनी हुई है, पेमेंट की आवक कमजोर है। वर्षा जारी है। नवरात्रा से ही ग्राहकी का जोर रहेगा। ड्रेस मटेरियल ब्लाउज पीस, साड़ियां, सूटिंग शर्टिंग, धोती जोड़ा, सलवार सूट व प्रिंटेड पीस रेडीमेंट का चलन ज्यादा ही बढ़ गया है।

त्यौहारी व शादी विवाह के सीजन की तैयारी

सीकर / राजकुमार शर्मा

सीकर के कपड़ा बाजार में अब त्यौहारी व शादी विवाह के सीजन की तैयारी चल रही है। अभी पित्तर पक्ष व आगे अधिक मास के कारण व्यापारियों को माल के ऑर्डर के लेन देन में काफी समय मिलने से काम आसान होगा। समय मिल जाने के कारण तैयारी में व्यापारियों को अपने मनपंसद का माल सही रेट में मिल जाएगा। शहर के कपड़ा बाजार में अभी बावड़ी गेट, तबेला बाजार, जाट बाजार, नानी गेट व फतेहपुरी गेट के व्यापारी अपनी अपनी ग्राहकी के हिसाब से माल कलेक्शन में लगे हुये हैं।

होलसेल व्यापारियों के अनुसार अब 25 नवम्बर से शादी विवाह का सीजन शुरू होगा, इसमें कोराना की स्थिति को देखते हुए आगे मॉल का ऑर्डर दिया जायेगा क्योंकि इस बीमारी को देखते हुये कपड़ा व्यापारी किसी भी तरह का ब्रिकी का अनुमान नही लगा सकते हैं। कुछ व्यापारियों ने माना कि त्यौहारी सीजन से बाजार में बिक्री निकल सकती है, पर वो बिक्री ऊँट के मुँह में जीरे के समान होगी। अगामी सीजन में ब्रिकी किस करवट बैठगी, यह तो समय आने पर ही पता चलेगा।

व्यापारी श्रीओमप्रकाश रोसावा वाले के अनुसार सावों की सीजन व त्यौहारी सीजन से बिक्री निकलेगी। उम्मीद करते हैं दीपावली के बाद से बाजार के हालात अच्छे बनेंगे और कोरोना काल से निकलकर ग्राहक पहले की तरह बाजार में आएंगे।

एवीएस टेक्सटाइल के श्री विजय शर्मा ने बताया कि पिछले साल की तुलना में बाजार कमजोर है। लोकडाउन के बाद बाजार खुलने से बाजार में थोड़ी ग्राहकी निकली है। अभी सावों की सीजन भी बेहतर निकली।

आगे भी त्यौहारी सीजन के बाद सावों की बिक्री अच्छी निकलने की उम्मीद रखते हैं। अभी दिपावली तक ही माल व पेमेन्ट का रोटेशन तक सही बैठ सकेगा। होलसेल व्यापारी श्री मुकेश पाराशर के अनुसार इस बार सर्दियों को देखते हुए गर्म माल की बुंकिग हो चुकी है। ऑर्डर का माल सीकर पहुंचना शुरू हो चुका है। पिछली तुलना में इस बार भी माल कम आने की संभावना है। आगे सर्दियों की ब्रिकी के अनुसार ही बाजार की मांग पर ऑर्डर रिपीट होगा।

बिक्री में मंदी आगामी सीजन की तैयारी

मुजफ्फरनगर / अजय सिंहल

आलोच्य पखवाड़े में मुजफ्फरनगर, शामली, सहारनपुर-मेरठ आदि पश्चिमी उत्तरप्रदेश के प्रमुख कपड़ा मार्केट्स पूर्वानुमान के अनुसार भरपूर मंदी की गिरफ्त में दिखी। पितृ पक्ष में साधारणतः लोग नई वस्तु की खरीददारी कम करते हैं तथा बिक्री भी कम ही रहती हैं। इस बार शारदेय नवरात्रा पितृ पक्ष के तुरंत बाद ना होकर एक मास के अंतर के बाद है। उद्यमी थोक विक्रेताओं ने उत्साह विहीन होकर अनमने मन से नए सीजन की तैयारी शुरू कर दी है। इधर क्षेत्र में वर्षा ऋतु के बाद मौसम बदल कर ठंडी शुरू हो जाती हैं, उसी अनुसार गरम माल बेचने वालों ने नए माल की खरीददारी शुरू कर दी है। अभी रिटेल व थोक में सामान्यतः कार्य नगण्य है। पेमेंट की आवक लगातार कमजोर बनी हुई है। कोरोना के केस लगातार बढ़ रहे हैं। वेक्सीन का इंतजार बना हुआ है। लगन साया फिलहाल बंद हैं।

मुजफ्फरनगर के सूटिंग शर्टिंग के प्रतिष्ठित थोक विक्रेता वेद प्रकाश गोविंद प्रकाश ने श्री हरीश डाबर तथा प्रतिष्ठित एजेंट श्री केसी त्यागी के अनुसार फिलहाल बिक्री अत्यंत कम है तथा समय भी उत्साहजनक नहीं है। अक्टूबर माह में अच्छा काम निकलने की आशा है।

बिक्री नहीं, भुगतान का संकट

सोलापुर / राजेन्द्र कोचर

कोरोना का संकट अभी भी टला नहीं है, पूरी इंडस्ट्री में संकट गहराया हुआ है। ट्रेन बसें चल नहीं रही हैं, इससे व्यापारियों का आवागमन बिल्कुल रुक गया है। हर व्यापारी परेशानी में है, सभी सीजन फेल हो चुके हैं और आगे की सीजन का भी कोई भरोसा नहीं है। अभी लॉकडाउन खुल गया है, मगर व्यापारी नहीं आ रहे हैं और ना ही कोई बड़ा ऑर्डर हाथ में है। पैसों की तंगी बहुत ज्यादा है। सोलापुर की इंडस्ट्री गारमेंट तथा टैरी टॉवेल की है। यहां की निगाह गारमेंट स्कूल यूनिफॉर्म पर टिकी हुई है, स्कूल टोटल बंद हैं। व्यापारियों की यूनिफॉर्म फैब्रिक्स की खरीदी जनवरी से चालू हो गई थी, मगर कोरोना की वजह से नीचे के व्यापारियों की खरीदी बंद है। जब तक स्कूल नहीं खुलेंगे, तब तक व्यापार होना मुश्किल है। व्यापारियों को आए हुए माल का पेमेंट करना मुश्किल हो गया है। आधे से ज्यादा फेक्ट्रियों का काम बंद हो चुका है। जिनके पास मास्क और पी पी किट का काम चल रहा है, वो गिनती की फैक्टरियां चालू हैं। व्यापारियों का घर चलाना मुश्किल हो चुका है। अब जब तक स्कूल नहीं खुलेंगे तब तक संकट नहीं टलेगा और जब तक पैसा नीचे से नहीं आयेगा, तब तक किसी भी पार्टी को पेमेंट करना मुश्किल है। सभी इंडस्ट्रीज को अनुरोध है कि जब तक हालात नहीं सुधरें, तब तक किसी पार्टी के साथ पेमेंट के लिए जोर जबरदस्ती ना करे। व्यापारी सभी अच्छे हैं, मगर हालात की वजह से मजबूर हैं। थोड़ा संयम रखें। वक्त सभी की परीक्षा ले रहा है। उम्मीद है कि अब एक दो महिने में मार्केट सुधर जाएगा। 2020 सभी के लिए चुनौती है। जैसे ही मार्केट सुधरेगा, फिर से अच्छे दिन आ जाएंगे।

रेडीमेड गारमेण्ट की स्थिति नाजुक

इंदौर/ निलेश कासलीवाल

वर्तमान में कोरोना महामारी के चलते कपड़े के व्यवसाय में स्थिति बहुत नाजुक है। यदि इंदौर रेडीमेड व्यवसाय की बात की जाय, तो पिछले वर्षों की अपेक्षा वर्तमान में लगभग 25 प्रतिशत व्यवसाय रह गया है और यदि ऐसी ही स्थिति बनी रही तो अगले 2 महीने में हालत और ज्यादा खराब हो जाएगी। नकदी की सुविधा नहीं मिली तो व्यापार मुश्किल हो जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में एम.पी. में फसलें खराब होने से रिजल्ट लगभग शून्य के बराबर है, क्योंकि नकदी की व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों से ही होती है। आगे व्यवसाय नहीं होने पर और दुःखद स्थिति बनने की संभावना है। छोटे वर्ग में कई लोगों की नौकरियां चली गई, अगर दीपावली तक 50 प्रतिशत भी ग्राहकी चली तो कुछ राहत मिल सकती है।

इंदौर शहर के रेडीमेड व्यवसाय में अपना प्रमुख स्थान रखने वाले एस.आर. एजेंसी के प्रमुख श्री श्याम भाई के अनुसार इंदौर शहर में ही लगभग 3000 से 5000 रेडीमेड कारखाने हैं। इन कारखानों की यदि बात करें तो जनवरी से मार्च 2020 तक जो कच्चा या बना हुआ माल स्टॉक में है, उसे ही क्लीयर करने में लगे हुए हैं। तमिलनाडु, आंध्रा, कर्नाटक व केरल के मंडियों से यदि ऑर्डर नहीं आते हैं तो इंदौर का रेडीमेड उद्योग संकट में आ जाएगा। श्री श्याम भाई के अनुसार अगर यह स्टॉक क्लियर होता है तो ही स्थिति कुछ हद तक सुधर सकती है। भारत की प्रमुख डेनिम मिलों ने भी डोमेस्टिक के लिए उत्पादन रोक रखा है। जिनका एक्सपोर्ट हो रहा है केवल वे ही उत्पादन कर रहे हैं।

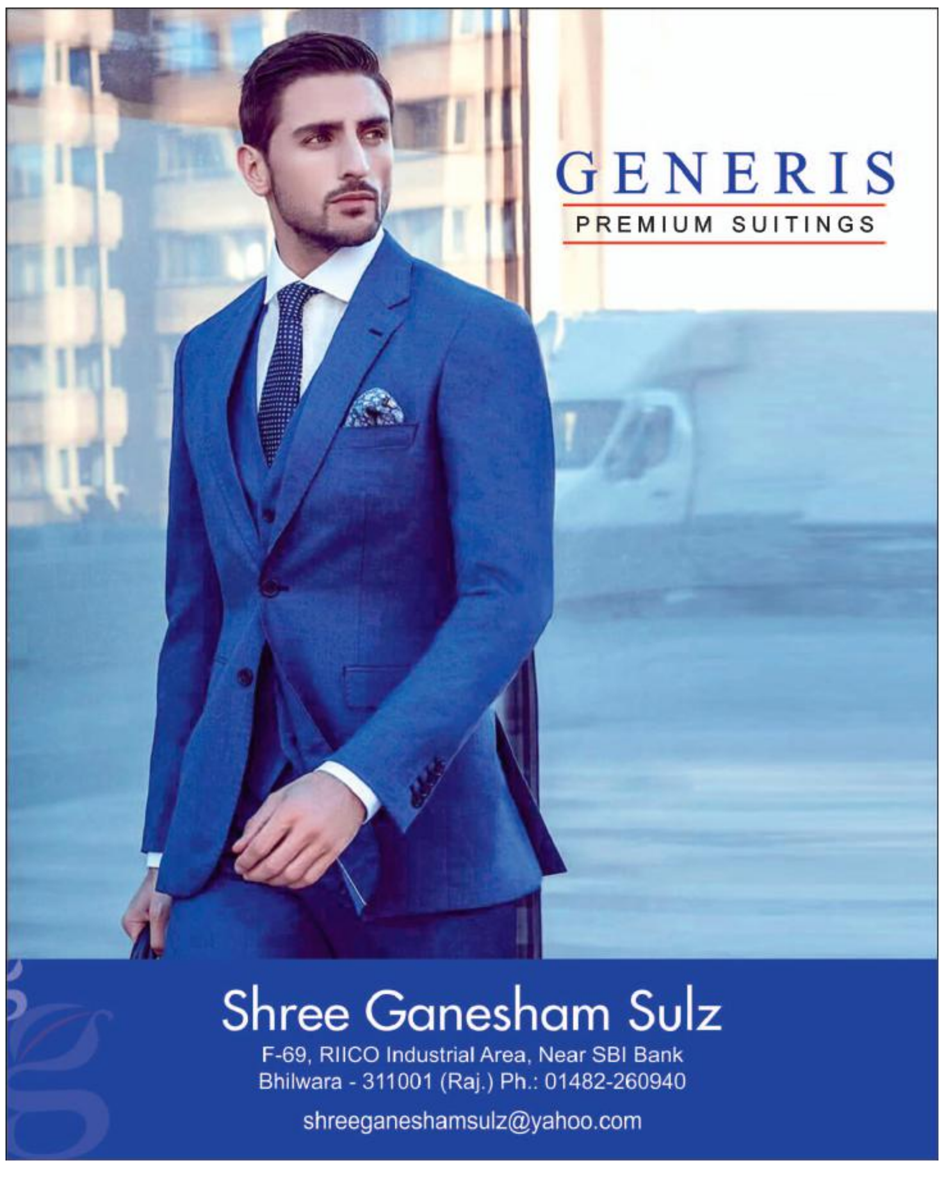

वस्त्र व्यापार की दुर्दशा, आम आदमी परेशान

अम्बाला सिटी / सुनील मारवाह

आज मार्केट बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है। पुरुषों के वस्त्रों का तो बहुत बुरा हाल है। लेडीस वीयर में अवश्य बि ी है, इसमें पेमेंट भी मिलता है किंतु जेंट्स वीयर में नहीं। व्यापार पूरी तरह खराब हो गया है। पहले नोटबंदी फिर जीएसटी, एफडीआई और अब लॉकडाउन। बाजार में पैसे ही नहीं है। बैंक का ब्याज, कर्मचारियों का वेतन, अन्य खर्चे, दवाईयां, परिवार खर्च चालू है और बाजार में बिक्री शून्य है। मध्यमवर्ग को तो एक तरह सरकार ने मार दिया। बड़ी कंपनी की सरकार बन गई। राजा को प्रजा को सुखी रखना होता है, किंतु नफरत का साम्राज्य बन गया है। लोग डर के मारे बोल भी नहीं पा रहे हैं कि बोले तो हमारे खिलाफ कार्यवाही हो जाएगी। नौकरियां गई, व्यापार खराब हो गया जबकि खुशहाली, प्रेम, प्यार, आपसी भाईचारा व परस्पर सहयोग का माहौल होना चाहिए था। इस बात को हमारे गुरु अटल बिहारी वाजपेई जी खूब समझते थे। अब सब कुछ बिक रहा है, घर बनाने में सालों लगते हैं और बिकने में 1 दिन। भगवान इन्हें सद्बुद्धि दे कि यह सही तरह से सरकार चलाएं, नफरत खत्म करें। इसके लिए सरकार को अपनी पॉलिसी बदलनी होगी। सरकार जनता की सुने, जमीनी नुकसान बहुत हो रहा है। बड़ी कंपनियों को फायदा हो रहा है, जबकि छोटा व्यापारी नुकसान उठा रहा है। यह ज्वलन्त प्रश्न है, जिस पर गंभीरता से विचार आवश्यक है।

बाजार में फिलहाल सन्नाटा

उदयपुर/ नवीन कोठारी

रक्षाबंधन और ईद पर छुटपुट ग्राहकी होने के पश्चात् से ही बाजार में चहल-पहल कम होने लगी। इन दिनों स्थानीय वस्त्र बाजार पर नजर डालें, तो चारों तरफ सन्नाटा दिखाई दे रहा है।

आमतौर पर भी रक्षाबंधन के पश्चात् बाजार में डिस्काउण्ट सेलों की भरमार रहती है। वस्त्र व्यापारी सारा पुराना स्टॉक क्लीयर करने में लगे रहते हैं। सभी का उद्देश्य यह रहता है कि ज्यादा से ज्यादा पुराना स्टॉक खत्म करके नया स्टॉक मंगवाए। आने वाले दीपावली सीजन की तैयारी अभी से शुरू हो जाती है, परन्तु इस बार बाजार में आने वाले महा सीजन को लेकर भी कोई विशेष उत्साह दिखाई नहीं दे रहा।

अधिकांश वस्त्र व्यापारियों के यहां सीजन का इतना स्टॉक रखा हुआ है कि उनका काम आने वाले सीजन तक चल जाएगा। बाजार में प्रतिवर्ष दिखने वाले डिस्काउण्ट बोर्ड भी इस बार नदारद हैं। वस्त्र व्यापारियों का इस बारे में कहना है कि बाहर से माल नहीं मंगवाकर स्टॉक में रखे गए माल से ही सीजन निकालने का प्रयास किया जा रहा है। डिस्काउण्ट ऑफर देकर माल तभी समाप्त किया जाता है, जब नये माल की आवक हो।

श्राद्ध पक्ष की वजह से वस्त्र बाजार में सन्नाटा है, फिर इस बार अधिक मास के कारण नवरात्रि श्राद्ध के एकदम बाद में नहीं होने से भी बाजार में उठाव नहीं है। विशेषज्ञों की मानें तो नवरात्रि के समय से ही कुछ ग्राहकी निकलने की उम्मीद है। श्राद्ध पक्ष और उसके पश्चात् का समय मंदी का ही रहेगा।

टेक्सटाइल उद्योग में i-ITALIA ब्राण्ड की लॉन्चिंग

डिजिटल प्रिण्ट शर्टिंग एवं टीआर की विस्तृत रेंज

मुम्बई

भारतीय वस्त्र बाजार में मुम्बई फैशन जगत का सर्वोपरी रहा है। अभी सम्पूर्ण विश्व कोरोना महामारी की चपेट में है, लेकिन वस्त्र उद्योग में कार्यरत उद्यमियों ने ऐसे समय में भी अपने आप को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी और दिनों-दिन मार्केट में नये-नये आइडियाज लाकर आपने व्यापार को आगे बढ़ाया है। इसी कड़ी में 'आइडियाज एन्यू एक्सपोर्ट' द्वारा प्रीमियम फैब्रिक ब्राण्ड "i-ITALIA" की भव्य लॉन्चिंग 31 अगस्त 2020 को की गई। इस ब्राण्ड को घरेलू मार्केट में आगे बढ़ाने हेतु कम्पनी द्वारा काजूर मार्ग (ईस्ट) मुम्बई में अपने ऑफिस की स्थापना दीप प्रज्वलन के साथ की गई।

इस ब्राण्ड के पार्टनर श्री संजय जायसवाल ने बताया कि आगामी सीजन को ध्यान में रखते हुए कम्पनी ने अपने विस्तृत प्रॉडक्ट रेंज की तैयारियाँ की हैं, जिसमें डिजिटल प्रिण्ट शर्टिंग एवं टीआर सूटिंग की प्रीमियम रेंज बाजार में पेश की जाएगी। इस हेतु सम्पूर्ण भारत में एजेण्ट एवं डीलर्स बनाने की प्रक्रिया भी चालू कर दी गई है, साथ ही इच्छुक व्यापारी भी सम्पर्क कर सकते हैं।

ज्ञात रहे कि श्री जायसवाल अपने 25 वर्षों के घरेलू वस्त्र व्यवसाय के अनुभव को काम में लेते हुए इस ब्राण्ड i-ITALIA के बिजनेस पार्टनर बने हैं, जो अपनी ईनोवेटिव सोच के साथ निरन्तर आगे बढ़ने में सक्षम भी हैं। विदित रहे कि 'आईडियाज एनयू एक्सपोर्ट' ग्रुप की शुरूआत वर्ष 2010 में की गई थी। यह ग्रुप इंजिनियरिंग, फार्मा एवं टेक्सटाइल में कार्यरत है। कम्पनी के फाउण्डर श्री अभय मिश्रा हैं तथा ग्रुप के एक्सपोर्ट का सम्पूर्ण कार्य श्री सिद्धि विनायक द्वारा देखा जा रहा है।

मयूर 'वायरो सिक्योर' को मिला नया सर्टिफिकेशन

बांसवाड़ा/ पिछले कुछ महीनों में स्वास्थ्य और स्वच्छता पर काफी ध्यान बढ़ गया है। इसी बीच, मयूर यह घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहा है कि 'वायरो सिक्योर' रेंज से उनके नए एंटी-वायरल कपड़े को इन्फ्लुएंजा वायरस के विरूद्ध सुरक्षा करने के लिए प्रमाणित किया गया है, जिसे आमतौर पर H1N1 वायरस के रूप में जाना जाता है। मयूर वायरो सिक्योर रेंज को इस साल जून में शुरू किया गया था और इसे वर्तमान वैश्विक स्थिति को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जिसमें सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी गयी है। कंपनी ने इस अत्याधुनिक और सुरक्षित फैब्रिक रेंज को बनाने के लिए स्विट्जरलैंड स्थित टेक्सटाइल इनोवेशन फर्म HeiQ से हाथ मिलाया है।

कंपनी के **बिजनिस हेड-फैब्रिक डिविजन (एलएनजे डेनिम एण्ड मयूर),** आरएसडब्लूएम लिमिटेड **श्री सुकेतु शाह** ने बताया कि इस नई फैब्रिक रेंज को HieQ की नवीनतम तकनीक HeiQ Viroblock के उपयोग से बनाया गया था, जिसे SARS-COV-2 या अन्य रोगाणुओं के बीच कोविड-19 का कारण बनने वाले वायरस के खिलाफ प्रभावी होने के लिए परीक्षण किया गया है। अब कंपनी यह सुनिश्चित करने के लिए एक कदम आगे बढ़ गयी है कि यह H1N1 वायरस के खिलाफ भी प्रभावी है, जिसे स्वाइन फ्लू के कारण जाना जाता है। यह कपड़े की श्रेणी को उन ग्राहकों के लिए बहुत सुरक्षित विकल्प बनाता है, जिनकी किसी भी वर्तमान या पूर्व स्वास्थ्य स्थितियों के कारण इम्यूनिटी कमजोर है।

HieQ Viroblock एंटीवायरल और जीवाणुरोधी गुणों के साथ, मयूर वायरो सिक्योर कपड़े H1N1 वायरस को 99.99 प्रतिशत तक कम करने की क्षमता रखता है। H1N1 आवरित वायरस का एक तनाव है, इसलिए covid-19 वायरस SARS-COV-2 पैदा करता है। HieQ Viroblock को वायरल झिल्ली (यानी एनवलप्डवायरस) को नष्ट करने के लिए कॉस्मेटिक ग्रेड तकनीक का उपयोग करके और वायरस की जड़ पर हमला करने और इसे तेजी से नष्ट करने के लिए इसे डिजाइन किया गया था। श्री सुकेतु शाह ने बताया कि फैब्रिक पर नवीनतम ISO18184 परीक्षण पेरिस-मुख्यालय वाली कंपनी ब्यूरो वेरिटास द्वारा आयोजित किया गया है, जो कई क्षेत्रों के उत्पादों के परीक्षण, निरीक्षण और प्रमाणन की विशेषता हेतु जाना जाता है। ISO18184 एक ऐसा परीक्षण है जो वीविंग, निटिंग फैब्रिक, फाइबर, ब्रैड, यार्न सहित विभिन्न कपड़ा उत्पादों की एंटी वायरल गतिविधियों को निर्धारित करने के लिए किया जाता है।

Suketu Shah
Business Head - Fabric Division
(LNJ Denim & Mayur), RSWM LTD.

इससे पहले, HieQ Viroblock Treated पोलिएस्टर कपड़े भी HieQ द्वारा Peter Doherty Institute for Infection and Immunity in Melbourne, Australia (Doherty Institute) में परीक्षण किये गये थे।

SARS-COV-2 और H1N1 सहित अधिकांश वायरस, कपड़े सहित विभिन्न सतहों पर बने रहने के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, कोई भी अन्य सतह कपड़े के समान लोगों के साथ निकटता में नहीं है। वर्तमान में चल रही कोरोना महामारी के दौरान, यह दुनिया भर के लोगों के लिए चिंता का विषय है। HieQ Viroblock प्रौद्योगिकी को अपनाने और ब्यूरो वेरिटस और Doherty जैसे प्रतिष्ठित संगठनों से प्रमाणपत्र प्राप्त करके, मयूर ने उन लोगों की जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया है, जो खुद को सुरक्षित रखने के लिए सतर्क रहने की कोशिश कर रहे हैं।

बस मालिकों की माँगें मुख्यमंत्री ने मानी

सतना/ बलराम शुक्ला

जब से लॉकडाउन हुआ, तब से बसों का परिचालन बंद हो गया था। आवागमन पूर्णतया बंद था, व्यापारी कहीं जा नहीं सकता था। यही हाल ट्रेनों का था। लोकल ट्रेन नहीं चल रही थी, जिसके कारण सभी परेशान थे। सबसे ज्यादा मार वस्त्र व्यवसायियों पर पड़ी, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र का व्यापारी आ नहीं पा रहा है। माल घट रहा है, फिर भी नहीं आ सकता। एक तो कोरोना का डर सबसे ज्यादा है, दूसरा प्रशासन बहुत सख्त है इसलिए लोग डर के मारे घरों मे बैठे हैं। सबसे ज्यादा पेमेंट से व्यापारी परेशान हैं क्योंकि पूरा व्यापार तकादे पर निर्भर है। तकादा बंद होने से देसावर के पेमेंट नहीं जा रहे हैं। अब लॉकडाउन खुल गया है, बस ट्रेन सभी चलने लगी है, पर अभी श्राद्ध पक्ष चल रहा है इसलिए व्यापार बिल्कुल नहीं है। आगे पुरुषोत्तम मास है, धार्मिक आयोजन होंगे ही, इससे व्यापार चलने की उम्मीद है बालोतरा के पॉपलीन की डिमांड है। सबसे ज्यादा मुम्बई का व्यापार प्रभावित है। माल भी नहीं बिका और पेमेंट भी नहीं गया, जिससे व्यापारी परेशान हैं।

टेक्सटाइल में टेक्निकल नॉलेज के लिए शॉर्ट टर्म कोर्स की शुरूआत...

टेक्निकल टेक्सटाइल की जानकारी के लिए आज ही जॉइन करें TEXCLAS

भीलवाड़ा/ वस्त्र नगरी भीलवाड़ा को अपनी कर्मस्थली बनाकर टेक्सटाइल सेक्टर में नित नये डवलपमेण्ट करने एवं टेक्निकल शिक्षा को बढ़ावा देने के सद्प्रयास कर रहे श्री कमल बत्रा जाने-माने वीविंग टेक्नीशियन एण्ड डिजाइनर हैं, जो पिछले 20 साल से स्थानीय इण्डस्ट्री में कार्यरत हैं। इलेक्ट्रोनिक इंजीनियरिंग में पढ़ाई पूरी करने के बाद चूंकि भीलवाड़ा एक टेक्सटाइल हब के रुप में स्थापित हो रहा था, इसलिए टेक्सटाइल में रुचि होने की वजह से श्री बत्रा ने अपनी कुशल कार्यनीति से इण्डस्ट्री में अपनी विशेष पहचान बनाई। श्री बत्रा ने बताया कि वे 12 साल वीविंग प्रॉडक्शन मेनेजर रूप में कार्यरत रहे और 8 सालों से टेक्सटाइल डिजाइनर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। कई बड़े वस्त्र निर्माताओं के साथ जुड़कर नित नये डवलपमेण्ट करने का प्रयास चलता रहता है। इतने सालों के अनुभव के आधार पर मुझे टेक्सटाइल इण्डस्ट्री में टेक्निकल नॉलेज की कमी महसूस हुई।

श्री कमल बत्रा
वीविंग टेक्निशियन एंड डिजाइनर

इसके अलावा कई छोटे-छोटे वीक पॉइंट्स हैं, जिन पर कोई ध्यान ही नहीं देता। कई तरह के यार्न या फैब्रिक्स ऐसे हैं जिनकी जरूरत अन्तर्राष्ट्रीय मार्केट को है। इनमें टेक्निकल फेब्रिक एवं ऑर्गेनिक फेब्रिक का बहुत बड़ा मार्केट है, जिनकी वर्तमान में चाइना आपूर्ति कर रहा है। इसी को सोचकर मैं पिछले तीन वर्षों से एक प्रयास कर रहा हूँ कि एक ऐसा कॉर्स स्टार्ट किया जाए जिसमें इन सबकी जानकारी मिल सके।

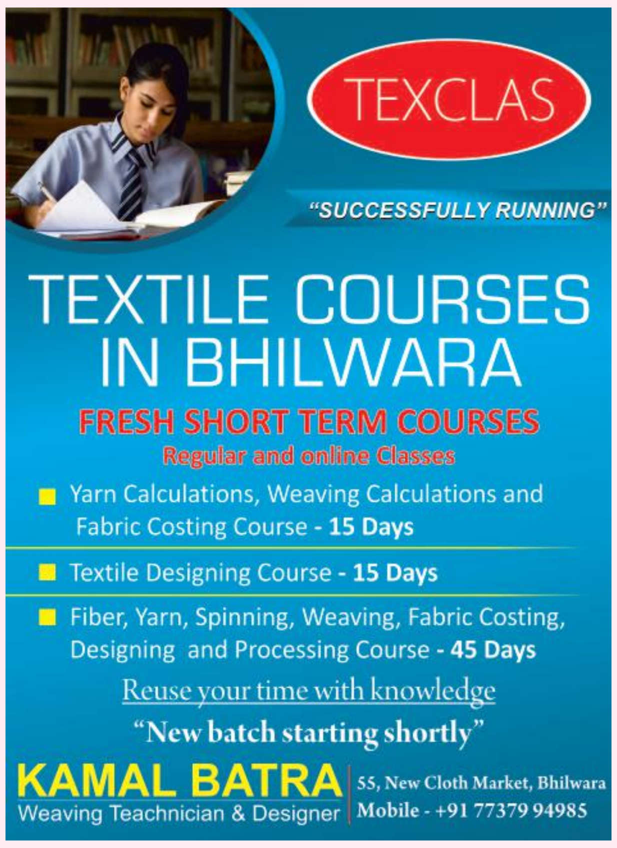

ऑनलाइन और रेगुलर क्लासेज जॉइन कर बढ़ाएं अपनी जानकारी

श्री कमल बत्रा ने बताया कि उन्होंने Texclas के नाम से एक शॉर्ट टर्म कॉर्स स्टार्ट किया है, जिसे कोई भी व्यक्ति जो टेक्सटाइल के बारे में अपनी जानकारी बढ़ाना चाहता है, वो कर सकता है। इसमें रेगुलर क्लासेज भी लगती है और ऑनलाइन क्लासेज से भी जुड़कर फाइबर, यार्न, कपड़ा और यार्न बनने की प्रक्रिया जैसी सभी तरह की Calculations Fabric, Losting Fabric, Designing व प्रोसेस के ट्रीटमेण्ट के बारे में सभी तरह की जानकारी दी जाती है। साथ ही कॉर्स जॉइन करने वाले व्यक्ति को फैक्ट्री विजिट और प्रोसेस विजिट कराकर टेक्निकल नॉलेज भी प्रायोगिक तौर पर दी जाती है।

एक अच्छा प्रयास... वाकई में वीविंग डिजाइनर श्री कमल बत्रा का Texclas नाम से स्टार्ट यह कोर्स टेक्सटाइल उद्योग में रुचि रखने वाले व्यक्तियों या स्टूडेण्ट्स के लिए अच्छा केन्द्र है, जो उनको टेक्सटाइल की टेक्निकल शिक्षा प्रदान करेगा। वहीं इनका उद्देश्य भी काफी अच्छा है, 'आत्मनिर्भर' भारत बनाने के लिए यह बहुत जरूरी है कि जो लोग टेक्सटाइल में रूचि रखते हैं वे आगे आये और नये-नये डवलपमेण्ट कर टेक्निकल टेक्सटाइल का उत्पादन बढ़ाएँ, ताकि कपड़े बनाकर विश्व में भीलवाड़ा ही नहीं अपितु पूरे भारत का मान बढ़े और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में सहायक सिद्ध हो।

FABEXA AHMEDABAD 1ST VIRTUAL EDITION FABRIC SOURCING EXPO

भारत की प्रथम सबसे लम्बी वर्चुअल टेक्सटाइल एग्जीबिशन का शुभारम्भ

अहमदाबाद/सत्यप्रकाश...कोरोना महामारी के कारण आज पूरा विश्व परेशान है। व्यापारी वर्ग से लेकर आम आदमी तक पूरी मानवता पर संकट के बादल गहरा रहे हैं। ऐसे में हम टेक्सटाइल उद्योग जगत की बात करें तो विगत 5 माह में व्यापारिक गति बिल्कुल रुकी हुई है, हर तरफ मंदी का बोलबाला है। ऐसे में अहमदाबाद के सबसे पुराने व्यापारिक संगठन मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन ने वर्चुअल एग्जीबिशन कराने का मानस बना कर भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में टेक्सटाइल उद्योग जगत को एक नई दिशा दिखाने का प्रयास किया है। मस्कती महाजन के प्रेसिडेंट श्री गौरांग भगत की अगुवाई में इस संगठन ने फैबेक्सा-फैब्रिक सोर्सिंग एक्सपो को वर्चुअल कराने का संकल्प लेकर इसका शुभारंभ कर दिया है। श्री गौरांग भगत ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कोरोना महामारी अब व्यापारिक महामंदी का रूप ले चुकी है। ऐसे में हमने अपने व्यापार के तौर-तरीकों में बदलाव की जरूरत को समझते हुए फैबेक्सा कमेटी के सभी सदस्यों से बातचीत कर वर्चुअल एग्जीबिशन कराने की योजना को मूर्त रूप दिया है। उन्होंने बताया कि फैबेक्सा वर्चुअल एग्जिबिशन 24 अगस्त से लगातार 90 दिन तक चलेगी। इस एग्जीबिशन में अहमदाबाद के कपड़ा निर्माता भाग ले रहे हैं। खासतौर से फैबेक्सा-I एवं II में भाग ले चुके सभी निर्माताओं द्वारा इस वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर अपनी लेटेस्ट उत्पाद रेंज का प्रदर्शन किया जा रहा है। गारमेंट सेक्टर से जुड़े रेडीमेड निर्माताओं एवं ट्रेडर्स के लिए यह एग्जीबिशन आपदाकाल में अवसर प्रदान कर रही है।

श्री गौरांग भगत
प्रेसिडेंट- मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन

ऑनलाइन बिजनेस के लिए हो जाएं तैयार -श्री बाबूलाल सोनीगरा

मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन के प्रेसीडेण्ट की श्री गौरांग भगत एवं फैबेक्सा कमेटी के चेयरमैन श्री बाबूलाल सोनीगरा के नेतृत्व में अहमदाबाद के जाने माने कपड़ा निर्माता इस वर्चुअल एग्जीबिशन में अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं, ऐसे में गारमेंट फैब्रिक ट्रेडर्स एवं रेडीमेड निर्माताओं के लिए 'फैबेक्सा वर्चुअल एग्जीबिशन' एक अच्छा प्लेटफार्म साबित होगा। श्री सोनीगरा ने इस संदर्भ में चर्चा करते हुए बताया कि देश-विदेश के बायर्स इस वर्चुअल एक्सपो में ऑनलाइन विजिट एवं खरीदी कर सकते हैं। एग्जीबिटर द्वारा भी आगामी विंटर एवं समर सीजन के लिए नवीनतम कलेक्शन प्रस्तुत किए जाएंगे, इससे व्यापारी अपने स्थान पर बैठे-बैठे ही अपने लिए कपड़े खरीद सकेंगे। श्री सोनीगरा ने आगे कहा कि एग्जीबिशन में भाग ले रही सभी पार्टीज उत्साह से लबरेज हैं व सभी अपने-अपने तरीकों से भी व्यापारियों को आमंत्रित भी कर रहे हैं। 90 दिन तक चलने वाली यह एग्जीबिशन टेक्सटाइल उद्योग ही नहीं अपितु सभी तरह के व्यापार के लिए अनूठा एवं आदर्श उदाहरण साबित होगी।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रचार प्रसार -श्री सोनू टेकवानी

रेडीमेड गारमेंट सेक्टर के लिए फैब्रिक सोर्सिगं का सेंटर बन चुकी फैबेक्सा एग्जीबिशन के वर्चुअल रूपांतरण का पूरे विश्व में प्रचार प्रसार किया जा रहा है। फैबेक्सा वर्चुअल एग्जीबिशन के कामकाज में अहम् भूमिका निभा रहे युवा उद्यमी श्री सोनू टेकवानी (डायरेक्टर -श्री महादेव टेक्सफैब प्रा.लि.) ने बताया कि विश्व के 100 से अधिक देशों के 70 लाख से अधिक कपड़ा एवं रेडीमेड गारमेंट कारोबारियों को एग्जीबिशन विजिट करने का निमंत्रण भेजा जा चुका है। गूगल, फेसबुक, ईमेल, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम इत्यादि सोशियल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से भी प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी से प्रभावित बाजार को गति देने में फैबेक्सा वर्चुअल एग्जीबिशन काफी सहायक सिद्ध होगी, वहीं यह एग्जीबिशन पूरे विश्व में टेक्सटाइल कारोबारियों के लिए एक अनुपम उदाहरण होगी।

24 अगस्त से 90 दिन तक लगातार चलेगी एग्जीबिशन

देश-विदेश के गारमेण्टर्स और ट्रेडर्स करेंगे ऑनलाइन शिरकत

फैबेक्सा वर्चुअल फैब्रिक सोर्सिंग एक्सपो में विजिट करने के लिए वेबसाइट events.fabexa.in पर जाकर एक फॉर्म में अपनी जानकारी भरकर एग्जीबिशन में प्रवेश कर सकते है। अपनी पसंद के निर्माता की स्टॉल पर पहुँचने के लिए स्टॉल नं. पर क्लिक करते ही आप सीधे उसकी स्टॉल पर होंगे, जहाँ पर निर्माता द्वारा दी गई समस्त जानकारी से आप अवगत होंगे तथा कंपनी प्रोफाइल, केटलॉग डाउनलोड, वीडियो चेट, ईमेल, वाट्सएप इत्यादि माध्यम से निर्माताओं एवं व्यापारियों का सम्पर्क हो सकेगा। एक समय में एक ही स्टॉल पर सैकड़ों व्यापारी विजिट कर सकते हैं। इसमें भीड़भाड़ की कोई समस्या ही नहीं रहेगी, इसलिए इस वर्चुअल एक्जीबिशन का लाभ उठाएं तथा आगामी सीजन की अच्छी तैयारी करें।

- बधाई एवं शुभकामना संदेश -

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने प्रेषित की शुभकामनाएं

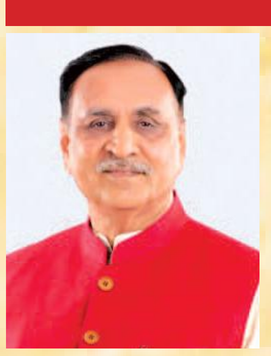

मस्कती क्लॉथ मार्केट एसोसिएशन द्वारा आयोजित होने वाले ऑनलाइन फैब्रिक मेले के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उन्होंने एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री गौरांग भाई भगत के नाम से प्रेषित संदेश में ऑनलाइन फैब्रिक मेला आयोजन पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की है। मुख्यमंत्री जी ने अपने संदेश में कहा कि मानव के सुसंस्कृत बनने के काल से ही वस्त्रों का निर्माण हो गया था। यह एक समय इन्सान के अस्तित्व को ढ़कने मात्र का ही साधन था, किन्तु समय परिवर्तन के साथ यह स्टाइल और फैशन के उद्योग के रूप में परिवर्तित हो गया है। किसी उद्योग का विकास एवं उत्पादन उसकी खपत पर निर्भर करता है। वर्तमान समय में कोविड-19 की महामारी में सोशियल डिस्टेंशिंग व स्वयं की सुरक्षा के महत्व को ध्यान में रखकर मस्कती मार्केट महाजन द्वारा दिनांक 24 अगस्त से आगामी 90 दिन तक वर्चुअल एग्जिबिशन का आयोजन किया जा रहा है, जो बहुत सुन्दर व अनुकरणीय पहल है। अन्त में उन्होंने एसोसिएशन के इस आयोजन का तहेदिल से अभिनन्दन करते हुए इसकी सफलता की कामना की।

● श्री प्रदीप भण्डारी
सीईओ, (टेक्सटाइल्स) रिलायंस इण्डस्ट्रीज लि.

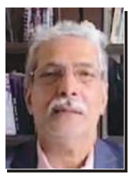

आप सभी को फैबेक्सा 2020 में आमंत्रित करते हुए अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है । कोविड-19 ऑल लॉकडाउन के कारण बीते कुछ माह हम सभी के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहे हैं। इस महामारी ने ना केवल हमें, बल्कि पूरे विश्व को वृहद स्तर पर प्रभावित किया है। प्रत्येक देश काफी कठिन दौर से गुजरते हुए इस महामारी का सामना कर रहा है। वर्तमान में यात्रा संबंधी प्रतिबंधों और कई स्वास्थ्य सुरक्षात्मक उपायों के कारण ट्रेड शो, बिजनेस मीटिंग्स, बिजनेस कॉन्फ्रेंस आदि में फिजिकल प्रजेंस मुश्किल हो गई है। ऐसे में मस्कती क्लॉथ महाजन द्वारा ट्रेड को एक साथ एक वर्चुअल ट्रेड शो के प्लेटफॉर्म पर लाने की शानदार पहल काफी सराहनीय है। मैं कहना चाहता हूँ कि हम सभी अपनी कार्यशैली और सोच में सकारात्मक बदलाव लाते हुए इस बेहतरीन अवसर का लाभ उठाएँ। मेरा विश्वास है कि हम सब मिलकर इस मुश्किल समय को भी हरा देंगे।

● श्री पुनीत लालभाई
एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर, अरविंद लिमिटेड

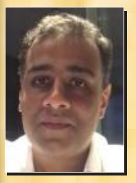

फैबेक्सा वर्चुअल एग्जीबिशन में आमन्त्रित करने के लिए मैं आयोजक टीम का धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, वहीं अहमदाबाद कपड़ा मार्केट की सबसे पुरानी संस्था मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन को मैं इस आयोजन के लिए बधाई देता हूं। भारतीय टेक्सटाइल इण्डस्ट्री के लिए यह नया अनुभव होगा, इससे हमें निश्चित ही कुछ सीखने को मिलेगा। इस दौर में इससे बढ़िया और कोई आइडिया नहीं हो सकता।

● श्री नटू पटेल
सीनीयर वाइस प्रेसिडेण्ट, गुजरात चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री, मैनेजिंग डायरेक्टर-मेघमणि ग्रुप

मैं फैबेक्सा वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर सबका स्वागत करता हूँ। यह वास्तव में टेक्सटाइल सेक्टर की सबसे पुरानी एसोसिएशन मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन की अनूठी पहल है। मैं हृदयतल की गहराइयों से मस्कती महाजन को वर्चुअल एग्जीबिशन कराने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ। एक तरफ जहां हम कोरोना महामारी की वजह से व्यापारिक यात्राएं नहीं कर पा रहे हैं, ऐसे दौर में वर्चुअल एग्जीबिशन कराना निश्चित ही अनुकरणीय पहल है।

● डॉ. जैमिन वसा
पूर्व प्रेसिडेण्ट -जी सी सी आई
प्रेसिडेण्ट - गुजरात केमिकल एसोसिएशन
प्रेसिडेण्ट - गुजरात फार्मास्यूटिकल एसोसिएशन

मैं 114 साल पुरानी मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन को वर्चुअल एग्जीबिशन के आयोजन के लिए बधाई देता हूँ। कोरोना महामारी से जूझ रहे कपड़ा व्यवसाय को मंदी से उबारने के इस प्रयास की जितनी प्रशंसा की जाय, उतनी ही कम है। मेरी और से प्रेसीडेण्ट श्री गौरांग भाई एवं उनकी पूरी टीम को दिल से शुभकामनाएं।

● श्री प्रकाश संघवी
प्रेसिडेण्ट - फैब्रिक सप्लायर एसोसिएशन, मुम्बई

मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन द्वारा फैबेक्सा वर्चुअल एग्जीबिशन का आयोजन इस कोरोना काल में नई सोच का प्रमाण है। इस वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से हर व्यापारी अपने स्थान से ही ऑनलाइन व्यापार कर सकते है। मैं और मेरी पूरी टीम मस्कती महाजन को इस प्रयास के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

● श्री प्रवीण बाफना, डायरेक्टर - बाफना क्लॉथिंग कंपनी
प्रेसिडेण्ट- बैंगलोर अपेरल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, बंगलुरू

मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन द्वारा फैबेक्सा वर्चुअल एक्जीबिशन का आयोजन वर्तमान दौर में निश्चित तौर पर सही एवं उचित कदम है। कोरोना महामारी की वजह से जहां व्यापार की हालत काफी खराब हो चुकी है, ऐसे में वर्चुअल प्लेटफॉर्म तैयार करना सभी व्यापारियों के हित में है। हम सभी कमेटी मेम्बर एवं व्यापारी इसमें जरूर विजिट करेंगे। हमारी पूरी टीम की ओर से आयोजन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं।

● श्री चम्पालाल अग्रवाल
अर्नव इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद

मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन के प्रेसीडेण्ट श्री गौरांग भगत एवं उनकी टीम को फैबेक्सा वर्चुअल एग्जीबिशन के आयोजन के लिए बधाई। मैं देश-विदेश के गारमेण्ट एवं कपड़ा कारोबारियों से आग्रह करता हूँ कि आप इस वर्चुअल एग्जीबिशन में विजिट कर व्यापार के नए तरीके को अनुभव कर सकते हैं। 90 दिन तक चलने वाली इस एग्जीबिशन में व्यापारी बिना अहमदाबाद आए खरीदी कर सकते हैं।

● श्री सुशील अग्रवाल
चेयरमैन, सीटीएम टेक्सटाइल मिल्स, अहमदाबाद

मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन, पिछले तीन वर्षों से फैबेक्सा नाम से एग्जीबिशन का आयोजन करता आ रहा है। अबतक किए गए 4 आयोजन की सफलता महाजन के कुशल प्रबंधन का प्रमाण है। मैं महाजन के प्रेसीडेण्ट श्री गौरांग भगत एवं उनकी टीम तथा सभी प्रतिभागियों को फैबेक्सा वर्चुअल एग्जीबिशन के आयोजन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

● श्री विजय पुरोहित
प्रेसिडेण्ट - दी गुजरात गारमेण्ट मैन्यु. एसोसिएशन

24 अगस्त को फैबेक्सा वर्चुअल एग्जीबिशन के उद्घाटन के लिए मैं और मेरी टीम की और से मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन को बधाई। 114 साल पुरानी इस संस्था ने अब तक कई बेहतरीन काम किए हैं। फैबेक्सा वर्चुअल एग्जीबिशन भी संस्था की बड़ी उपलब्धि साबित होगी।

Maskati Cloth Market Mahajan Ahmedabad Since 1906

INDIA'S FIRST, LONGEST & CHEAPEST VIRTUAL FABRIC EXHIBITION

FABEXA AHMEDABAD 1ST VIRTUAL EDITION FABRIC SOURCING EXPO

24th August onwards - 90 DAYS

For More Details : info@fabexa.in, www.fabexa.in

Participants

A.B.CORPORATION (BAULAAS EXIM P. LTD.)	SUITING	200
AAVALI PRINTS PRIVATE LIMITED	SHIRTING	102
ACCESSORIES SHOP	GARMENT ACCESSORIES	103
ACE FABRICS LLP	SUITING	104
ACME COTSYN PVT LTD	KNIT	105
ADINATH TEX FAB	SHIRTING	106
AJANTA TEXTILE MILL	DRESS MATERIAL	107
AKASH FASHION PRINTS	DRESS MATERIAL	194
AMBICA SYNFAB PVT.LTD.	SHIRTING	108
AMRUTA FABTEX LLP, AMRUTA FABRICS P. LTD.	SUITING	109
ANIL EXPORTS (INDIA)	SUITING	110
ANJALI TEXTILE MILLS	SUITING	111
ANKIT TEXTILE MILLS	SHIRTING	112
ANSHIMA MILLS INDUSTRIES PVT LTD	DRESS MATERIAL	113
ANUPAM CREATIONS PVT LTD	BED SHEET	114
ANUPAM TEXTILES	SUITING	115
ARCHANA PRINTS (SHAH JUGRAJ RADAJI)	DRESS MATERIAL	116
ARIHANT COTFAB LLP	SHIRTING	117
ARIHANT SYNTEX	SUITING	118
ARPAN SYNTHETICS (GUJ) PVT. LTD.	SUITING	119
B R FABRIC	SHIRTING	186
BABA IMPEX	SHIRTING	120
BALAR TEXTILE	SHIRTING	121
BANSIWALA FABRICS PVT. LTD.	SHIRTING	188
BHAGWATI TEX TREND LLP	SUITING	122
BHAVNA PROCESSORS PRIVATE LIMITED	SHIRTING	123
BRAND ROOTS (ADITYA ROHITKUMAR)	SHIRTING	124
C.A.PATEL TEXTILES PVT LTD	SHIRTING	125
CHANDERMAULI	SHIRTING	126
CHANDULAL C SHAH	SHIRTING	127
DHARMAJI TEXTILE	SUITING	128
DIAMOND TEXTILE MILLS PVT LTD	GREY	179
DINESHKUMAR & CO.	DRESS MATERIAL	193
G.N.TEXTILES	KNIT	129
HANSRAJ CLOTHING	SHIRTING	131
HARSHADA ENTERPRISE	SHIRTING	132
HENITEX FABRICS LLP	SHIRTING	134
INDERMAL PUKHRAJ(APPLE)	SUITING	135
INDIA TEXTILES	SHIRTING	136
JAGDAMBA TEXTILE MILLS	SHIRTING	137
JIRAWALA TEXTILE PVT LTD	SUITING	138
K LAKERI FABRICS	SUITING	139
KABIR CLOTHINGS PVT LTD	KNIT	197
KAMAL TEXTILE MILLS	SHIRTING	140
KANODIA TEXTILE MILLS	SHIRTING	141
KAUVERY FAB TEX	SHIRTING	142
KEDAR TEXTILE MILLS	SHIRTING	143
KENCOT TRENDZ	SHIRTING	144
KOHINOOR SYNTHETIC	SHIRTING	145

KOMAL TEXFAB PVT LTD	KNIT	195
K.PRAKASH&SONSLAXMI	SHIRTING	146
LAKHPATRAJ FASHION PVT LTD	SHIRTING	147
LAXMI SILK MILLS	SUITING	192
LAXMI TEXTILE	SHIRTING	148
LAXMI TEXTILES	DRESS MATERIAL	199
LUNIYA TEXTILE MILLS	SHIRTING	149
MADHU INDUSTRIES PVT.LTD(ctm)	BED LENIN	198
MADHU TEXTILE MILL	SHIRTING	150
MAGANMAL PARASMAL	BED LENIN	202
MAGRAJ KANTILAL FAB PVT LTD	SHIRTING	151
MAMTA KNIT FAB	KNIT	189
MANGAL MURTI COTTON MILLS	DRESS MATERIAL	185
MANGISHA FAB TEX	KNIT	187
MANIBHADRA AGENCIES	KNIT	152
MANOJ PRINTS PRIVATE LTD	SHIRTING	153
MEWA TEXTILE	SHIRTING	154
(MY) CASA COPENHAGEN	FURNISHING	101
NAKODA FASHION PVT LTD	SUITING	155
NAMO TEX FAB	SUITING	156
NANDAN DENIM LIMITED	DENIM	191
O P AND SONS TRADERS PRIVATE LIMITED	SUITING	181
PANAM TEXFAB PRIVATE LIMITED	SUITING	157
TOMANI FABRICS	DRESS MATERIAL	190
PRASHAM TEXTILE	SUITING	158
PREKSHA TEXTILE PVT LTD.	SHIRTING	159
RAJ INTERNATIONAL	GREY	160
RAJAVIR VASTRA BHANDAR	SHIRTING	161
RELIANCE IND. LTD- TEXTILES (DOMESTIC)	SHIRTING	176
RELIANCE IND. LTD - TEXTILES (DIV. - EXPORT)	SUITING	177
ROOP TEXTILES	SHIRTING	162
S. R. GOENKA & SONS	SHIRTING	180
SHANIL FABRICS LLP (M G TEXTILE)	SHIRTING	163
SHASWAT TEXTILES PRIVATE LIMITED	SHIRTING	164
SHASWAT TEXTILES PRIVATE LIMITED	SUITING	182
SHASWAT TEXTILES PRIVATE LIMITED	DRESS MATERIAL	183
SHREE CHAMUNDA FABRICS	SUITING	165
SHREE MAHADEV TEXFAB PVT LTD	SUITING	166
SHREE MAHAVIR FABRICS MFG CO.	SHIRTING	167
SHREE RADHEYSHYAM SYN FAB PVT LTD	SUITING	168
SHREE SIDDHI VINAYAK FABRICS	SUITING	169
SHRINATH SYNTHETICS	SUITING	171
SRI SHYAM FASHION TEXTILES PVT LTD	SUITING	172
SWPL (SIDDHACHAKRA WEAVING PVT LTD)	SUITING	173
T.S. TEXTILES	SUITING	174
VIMKO TEX FAB	SHIRTING	175
VIRU TEXTILE MILLS PVT LTD.	SUITING	184
VIVEK TEXTILE AGENCY	GREY	201
VMS FABRICS PVT LTD	GREY	196

Visit Site- events.fabexa.in

Supported By

Powered By Reliance Industries Limited ARVIND FASHIONING POSSIBILITIES

Sponsored by GSC BANK KANKARIYA TEXTILE INDUSTRIES PVT. LTD. Ambica DIAMOND TEXTILE Chandermauli

Media Partners नवगुजरात समय व्यापार व्यापार टेक्सटाइल वर्ल्ड

Ek Kadam Suraksha ki Aur Qmax WORLD के संग

SUNIL TIBREWAL GROUP COMPANY

संपूर्ण सुरक्षा के साथ यूनिफॉर्म फैब्रिक की नवीनतम वस्त्र शृंखला SELF HEAL

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के "वोकल फॉर लोकल" के उद्देश्य को सफल बनाने का एक प्रयास

ऑस्ट्रेलियन कंपनी "Health Guard" की टेक्नोलॉजी के साथ लॉन्च

मुंबई/अपने मजबूत इरादों एवं समर्पण भाव से प्रत्येक उपभोक्ता के दिलों पर राज करने में Qmax WORLD हमेशा से आगे रहकर एक पायोनियर यूनिफॉर्म निर्माता के रूप में भारत की तमाम मंडियों में अपने विशेष उपस्थिति दर्ज कराए हुए है। अपने व्यापारियों के लिए मार्केट ट्रेंड से हटकर यूनिफॉर्म फैब्रिक का उत्पादन करते हुए Qmax WORLD द्वारा इस कोरोना महामारी को ध्यान में रख कर स्कूल सेक्टर से लेकर हर उस सेक्टर तक जिसमें यूनिफॉर्म की आवश्यकता महसूस की जा रही हो, उसके अनुसार अपने नए ब्रांड SELF HEAL को 3 सितंबर 2020 को लॉन्च किया गया। इस दौरान "Qmax World LLP" के फाउंडर श्री सुनील टिबरेवाल, कंपनी के सीओओ श्री अंकित टिबरेवाल, ऑस्ट्रेलियन कंपनी "Health Guard" के प्रेसिडेंट डॉक्टर क्रिस्टोफर हार्वे एवं सीईओ श्रीमती विक्टोरिया हार्वे, पोद्दार शिक्षा विद्यालय की प्रेसिडेंट डॉक्टर स्वाति पोपट वत्स, ग्लोबल इंडियन इनफ्लूएंसर श्रीमती हरप्रीत सिंह सूरी एवं प्रतिष्ठित फैशन डिजाइनर श्रीमती निकिता महेशालकर की गरिमामय उपस्थिति रही। इस दौरान भारतीय फिल्म इण्डस्ट्रीज की प्रख्यात अभिनेत्री सोहा अली खान द्वारा SELF HEAL के प्रति प्रभावशाली व्यक्तव्य ने समारोह की शोभा बढ़ाई।

कंपनी द्वारा इस SELF HEAL ब्राण्ड में एक विश्वस्तरीय एंटीवायरल यूनिफॉर्म फैब्रिक लॉन्च की गई। यह फैब्रिक स्कूल सेक्टर से लेकर कॉर्पोरेट, डॉक्टर, नर्सिंग कर्मचारियों सहित पुलिस व आर्मी के लिए पूरी तरह सुरक्षात्मक दृष्टि से बनाई गई है। कंपनी द्वारा अपने इस SELF HEAL ब्रांड के अंतर्गत उत्पादित फैब्रिक मेलबर्न यूनिवर्सिटी से प्रमाणित है, जो किटाणुओं के विरुद्ध प्रभावी होने के साथ-साथ बेक्टीरिया सुपर बग्स तथा पेथोजन से मुकाबला करने में सक्षम है। यह आईएसओ 1818 4 द्वारा प्रमाणित भी है। यह फैब्रिक 99.9 प्रतिशत वायरस और बेक्टीरिया से सुरक्षा करेगी। इसके अलावा Qmax WORLD इस फैब्रिक की लगभग 50 बार धुलाई की गारंटी भी देती है।

इस नए इनोवेशन पर "Qmax World LLP" के सीओओ श्री अंकित टिबरेवाल ने बताया कि लगभग 5 माह से संपूर्ण विश्व कोरोना महामारी से लड़ाई कर रहा है। हमारे स्वास्थ्य कर्मचारी काफी समय से इस बीमारी से लड़ते हुए हमें पूरी सुरक्षा प्रदान करते हुए आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। धीरे-धीरे अब वायरस के साथ हम अपने जीवन को इसके लिए अनुकूल बनाते हुए अपनी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने हेतु निरंतर आगे आ रहे हैं। हमारे द्वारा निरंतर इनोवेशन करते हुए ऑस्ट्रेलियन कंपनी "Health Guard" के साथ मिलकर अपने व्यापार में विश्वास जगाने हेतु SELF HEAL एंटी कोरोना यूनिफॉर्म फैब्रिक लॉन्च की है। इस SELF HEAL यूनिफॉर्म फैब्रिक को लॉन्च करने का मुख्य उद्देश्य माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ''वोकल फॉर लोकल'' की राष्ट्रव्यापी अपील को समर्थन देना है।

Health Guard की तकनीक- हाल ही में संपूर्ण विश्व इस कोरोना महामारी से उत्पन्न होने वाली समस्या से जूझ रहा है तथा दुनियाभर से काफी शोध भी हो रहे हैं, वहीं कपड़ा उद्योग भी इस स्पॉटलाइट एंटीवायरल फैब्रिक के शोध पर विकासरत है। इस वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए एंटीवायरल फैब्रिक की ओर व्यापारियों का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। इससे पहले एंटी माइक्रोबियल्स विशेष फिनिश के लिए उपयोग में ली जाती रही है। अब यह स्कूल यूनिफॉर्म, हॉस्पिटल यूनिफॉर्म तथा वहां उपचारित फैब्रिक की बेहतर सुरक्षा और लंबे समय तक चलने वाली ताजगी की विशेषताओं के साथ पेश कर रहा है। इसके अतिरिक्त समय की जरूरत को पूरा करने के लिए Qmax WORLD के साथ सुरक्षित, स्वच्छ तथा लंबे समय तक चलते हुए एंटीमाइक्रोबियल्स तथा एंटीवायरस यूनिफॉर्म फैब्रिक का उत्पादन करने के लिए भी तैयार है। SELF HEAL की फैब्रिक भारत तथा दुनियाभर में Qmax WORLD के संपूर्ण मार्केटिंग नेटवर्क पर अपने इन उत्पादों को लॉन्च किया है। अब इन्हें मार्केट में स्वास्थ्य कर्मचारी, स्कूल यूनिफॉर्म, हॉस्पिटल, ऑटोमोबाइल क्षेत्र के लिए यूनिफॉर्म खरीदी जा सकेगी, जो भारत की आकांक्षाओं को विनिर्माण महाशक्ति बनाने के लिए योगदान देगी।

Qmax WORLD द्वारा इस महामारी में नया इनोवेशन अपनी नई रेंज SELF HEAL के तौर पर किया गया। यह फैब्रिक एंटीवायरल एवं एंटीबेक्टीरियल है, जो स्कूली बच्चों की त्वचा को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। इस बीमारी से लड़ने के लिए SELF HEAL एक परफेक्ट फैब्रिक है। यह फैब्रिक 99.9 प्रतिशत वायरस का जमकर मुकाबला करेगी और कुछ ही मिनटों में उनका खात्मा भी कर देगी, इससे आपके बच्चे जल्द ही स्कूल जाने के लिए तैयार हो सकेंगे। सच में Qmax WORLD की रेंज SELF HEAL एक विश्वास ही नहीं भरोसे का नाम भी है, जो इस बात को सिद्ध करता है कि कुछ ब्रांड आपके लिए भी सोचते हैं।

सोहा अली खान,
मशहूर एक्ट्रेस

#EkKadamSurakshaKiAur

जब सारी दुनिया रूक सी गई थी, थम सी गई थी तब मन में अनेक विचार आने लगे कि बच्चे कब स्कूल जा पाएंगे, इस वायरस का बच्चों पर कितना प्रभाव पड़ेगा। यह सारे सवाल दिलो-दिमाग में आए परंतु जवाब कुछ भी नहीं।

तब जाकर Qmax WORLD द्वारा अपनी नई रेंज SELF HEAL लाया गया। यह स्कूल यूनिफार्म एंटीवायरल तथा एंटीबेक्टीरियल है जो 99.9 प्रतिशत किटाणुओं को कुछ ही समय में खत्म कर देगी। जब कोई कंपनी क्वालिटी एवं कम्फर्ट में कोई समझोता नहीं करती है, तो काफी अच्छा लगता है और हिम्मत देता है कि SELF HEAL के साथ हमारे बच्चे सुरक्षित हैं। Qmax WORLD ने हमारे बच्चों के लिए सुरक्षात्मक यूनिफार्म दी है, जो भविष्य की सोच को सुरक्षित करती है। SELF HEAL एक ब्रांड ही नहीं, एक मां का भरोसा भी है।

हरप्रीत सिंह सूरी,
ग्लोबल इंडियन इनफ्लुएंसर

#EkKadamSurakshaKiAur

इस कोरोना महामारी ने अपने साथ काफी चैलेंज तथा मुश्किलें खड़ी की हैं। हमारे जीने के तरीकों में काफी बदलाव आया है, स्कूलों का नहीं खुलना, बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाना इत्यादि किन्तु इससे बच्चों ने काफी कुछ सीखा है। फिर भी SELF HEAL बाई Qmax WORLD का यह प्रयास यूनिफॉर्म सेक्टर में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा, जो एक विश्वास के रूप में माता-पिता तथा स्कूल प्रबंधन के मध्य होगा। हमारा अटूट विश्वास है कि इस कठिन परिस्थिति में हम सबके साथ खड़े हैं।

श्री सुनील टिबरेवाल,
फाउंडर, क्यूमेक्स वर्ल्ड एलएलपी

#EkKadamSurakshaKiAur

Qmax WORLD के साथ काफी समय से काम कर रहे हैं। इस कठिन परिस्थिति में कंपनी द्वारा प्रस्तुत SELF HEAL रेंज काफी सुरक्षित है। एंटीवायरल यूनिफॉर्म फेब्रिक रेंज है, जो कुछ ही समय में वायरस एवं बेक्टीरिया को नष्ट कर देगी।

निकिता महेशालकर,
मशहूर फैशन डिजाइनर

#EkKadamSurakshaKiAur

सबसे पहले Qmax WORLD को इस रेंज SELF HEAL के लिए पूरी टीम को शुभकामनाएं। यह एक इनोवेटिव फैब्रिक्स है, जो कोरोना महामारी से हमारे बच्चों की सुरक्षा करेंगी। यह एक एंटीबेक्टीरियल एवं एंटीवायरल फैब्रिक है, जो स्कूल यूनिफार्म के साथ साथ हमारे सभी सिक्योरिटी सेक्टर के लिए सहायक होगी।

रोनक रूघानी,
चेयरमैन, एसआरटीईपीसी

Qmax WORLD™
SUNIL TIBREWAL GROUP COMPANY

SELF HEAL™ | Anti-viral Fabrics
99.94% effective against enveloped Virus*

Anti-enveloped Virus*
Anti-bacterial
Anti-odour
Superior Safety
Breathable & Hygienic
Effective For Longer

Ek Kadam Suraksha Ki Aur

Australian Made Technology

#No.1 Uniform Fabric Manufacturer

Disclaimer:- Covid 19 is caused due to multiple factor. Anti Viral fabric effectively stops virus transmission through this fabric with 99.9% reliability, however other precautions to be taken simultaneously as directed by government and healthcare department.

Email : info@qmaxindia.net | Website: www.qmaxworld.com

सम्पादकीय....

जेईई और नीट की परीक्षाओं के नाम पर राजनीति करना राष्ट्र हित में नहीं

भारतीय राजनीति किस तरह क्षुद्रता का भोंडा प्रदर्शन करने में माहिर हो गई है, इसका ताजा उदाहरण है आइआइटी और मेडिकल कालेजों में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षाओं जेईई और नीट का विरोध। इन परीक्षाओं के विरोध के लिए केवल धरना-प्रदर्शन तक ही सीमित नहीं रहा गया, बल्कि सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचाया जाया गया। यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने इन परीक्षाओं को कराने के अपने आदेश के खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिकाओं को खारिज कर दिया, लेकिन अच्छा होता कि वह याचिका दायर करने वालों को फटकार भी लगाता। ये याचिकाएं जिन लोगों की ओर से दायर की गईं, उनमें कई राज्यों के शिक्षा मंत्री भी थे।

क्या इससे बड़ी विडंबना और कोई हो सकती है कि शिक्षा मंत्री ही राष्ट्रीय महत्व की परीक्षाओं के खिलाफ खड़े हों और वह भी बिना किसी ठोस कारण के? यह ठीक है कि कोरोना वायरस के संक्रमण से उपजा खतरा अभी टला नहीं, लेकिन आखिर इसकी अनदेखी क्यों की जा रही है कि देश धीरे-धीरे लॉकडाउन की बंदिशों से बाहर आ रहा है? आखिर जब ट्रेनें चल रही हैं, विमान उड़ रहे हैं और कल-कारखाने अपनी पुरानी रफ्तार पकड़ रहे हैं, तब फिर परीक्षाएं क्यों नहीं हो सकतीं?

जेईई और नीट का विरोध करने वाले बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़, पंजाब, राजस्थान और महाराष्ट्र के शिक्षा मंत्रियों को तो यह बुनियादी बात पता होनी ही चाहिए कि इन परीक्षाओं को और टालने की गुंजाइश नहीं रह गई थी। क्या वे यह चाह रहे थे कि लाखों छात्रों के एक वर्ष की मेहनत बेकार जाए? यदि नहीं तो फिर उन्होंने क्या सोचकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया कि वह परीक्षाएं कराने के अपने फैसले पर फिर से विचार करे? राजस्थान के शिक्षा मंत्री को तो यह भी बताना चाहिए कि आखिर उनके राज्य में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की पूरक परीक्षाएं क्यों हो रही हैं? क्या राजस्थान कोरोना वायरस से मुक्त हो गया है या फिर ऐसा कुछ है कि केवल जेईई और नीट देने वाले छात्रों को ही कोरोना वायरस से संक्रमित होने का खतरा है?

निःसंदेह राजनीति जीवन के हर क्षेत्र को स्पर्श करती है और कई बार वह महज संकीर्ण स्वार्थों को पूरा करने के लिए की जाती है, लेकिन यह तो सस्ती राजनीति की पराकाष्ठा ही है कि राष्ट्रीय महत्व की परीक्षाओं को मोहरा बनाया जाए। क्या यह हास्यास्पद नहीं कि जो राजनीतिक दल मेट्रो चलाने की मांग कर रहे हैं, वे यह चाह रहे हैं कि जेईई और नीट जैसी परीक्षाएं न कराई जाएं? साफ है कि जो नेता अभी भी इन परीक्षाओं का विरोध कर रहे हैं वे खुद के साथ-साथ भारतीय राजनीति का भी उपहास उड़ा रहे हैं।

टेक्सटाइल कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस पर वृक्षारोपण

भीलवाड़ा

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्थानीय टेक्सटाइल कॉलेज में प्राचार्य डॉ. धीरेन्द्र शर्मा द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में देश व संस्थान की तकनीकी उपलब्धियों एवं विकास की जानकारी से अवगत कराया। डॉ. अनुराग शर्मा ने कोरोना वायरस की रोकथाम पर अपने विचार रखे।

इस अवसर पर कोरोना वारियर्स के रूप में उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान करने वाले महाविद्यालय के डॉ. अनुराग शर्मा व थाना प्रतापनगर के सब इन्स्पेक्टर श्री मदन सिंह को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के पश्चात् कोविड के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए वृक्षारोपण किया गया। होर्टीकल्चर प्रभारी श्री पी.सी कोली ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रचार्य डॉ. धीरेन्द्र शर्मा के निर्देशन में प्रचुर मात्रा में फलदार व छायादार पौधों का वृक्षारोपण किया गया व सभी को अपने पौधे की निरन्तर देखभाल का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर सर्व श्री डॉ. के.सी. जैन अरविन्द वशिष्ठ, ए.कनीराजा, ओम प्रकाश कुमावत, वीरेन्द्र चौधरी, विवेक शॉ, अरूण कुमार, डी.के दास, बालाजी त्रिपाठी सहित अन्य कार्मिकों ने भी वृक्षारोपण किया।

सूरत टेक्सटाइल बाजार में उत्साहजनक माहौल

दीपावली एवं वैवाहिक सीजन की तैयारियां जोरों पर

सूरत/प्रहलाद गर्ग

कोरोना महामारी के कारण व्याप्त घनघोर मंदी अब छंटती नजर आ रही है। व्यापारी वर्ग में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। विगत 5 माह में हजारों करोड़ का नुकसान झेल चुकी सूरत मंडी में व्यापार फिर से पटरी पर आने को आतुर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरत के टेक्सटाइल निर्माता अब आगामी सीजन की तैयारी में जुट गए हैं। नया माल तैयार करने के लिए उद्यमी कच्चे माल की खरीदी एवं अपने कारखानों को पुनः चलाने की तैयारी में मशगूल हैं। एंब्रॉयडरी एवं हैवी वर्क साड़ीज में काम शुरू हो चुका है, वहीं प्रिंटेड साड़ीज में भी अच्छी ग्राहकी के संकेत मिलने से सूरत डाइंग एवं प्रोसेसिंग उद्योग में भी उत्साह का संचार हुआ है।

मजदूरों की भारी समस्या

इस समय सूरत में सबसे बड़ी समस्या मजदूरों की है, क्योंकि महामारी के चलते लोकडाउन एवं व्यापारबन्दी के कारण अधिकतर मजदूर अपने अपने घरों की ओर पलायन कर चुके हैं, जिनकी संख्या लाखों में है। ऐसे में मजदूरों का वापस आना या उनको लाना जरूरी हो गया है, जिनकी नया माल बनाने में सबसे बड़ी जरूरत है। इसलिए सरकार को मजदूरों को वापस लाने के लिए ट्रेनों का संचालन करना होगा, तभी सूरत मंडी में व्यापार पुनः पटरी पर आ पाएगा।

ग्रे मालों में तेजी

जैसे ही मार्केट में सुगबुगाहट शुरू हुई, ग्रे मालों में तेजी के समाचार है। ऐसे में जिन निर्माताओं के पास ग्रे का स्टॉक अच्छा है, वह इस माहौल में बाजी मार सकते हैं, वहीं तैयार मालों में भी अगर ग्राहकी निकलती है तो माल की शॉर्टेज के चलते रेटें बढ़ सकती है।

दक्षिण भारत में अच्छी ग्राहकी

जानकार सूत्रों के अनुसार विगत दिनों दक्षिण भारत से अच्छी डिमांड आई है और डिस्पेच भी अच्छा हुआ, वहीं विगत दिनों रक्षाबंधन एवं तीज के चलते मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में भी अच्छी ग्राहकी देखी गई। साउथ में ओणम फेस्टिवल का असर दिखा, जिसके चलते दक्षिण भारत के टेस्ट का माल बनाने वाले निर्माताओं के पास अच्छे ऑर्डर्स हैं।

साल 2020 को अपनी स्मृति में से हटाना ही उचित होगा -श्री अशोक यादव

सूरत मंडी के जाने-माने टेक्सटाइल उद्यमी एवं सिमोर प्रिण्ट्स प्रा. लि. के डायरेक्टर श्री अशोक यादव ने चर्चा के दौरान बताया कि कोरोना महामारी पूरे विश्व के लिए एक अभिशाप के रूप में आई है। इससे वैश्विक स्तर पर हर तरह का व्यापार प्रभावित हुआ है तथा वह सबसे बुरा हाल टेक्सटाइल सेक्टर का रहा है। पिछले 5 माह अर्थात् वित्तीय वर्ष 2020-21 के आधे बीत जाने के बाद आगामी सीजन की बात करें तो ज्यादा कुछ प्राप्ति नजर नहीं आ रही है, इसलिए मेरे हिसाब से वर्ष 2020 को अपनी स्मृति से हटाना ही उचित होगा। श्री यादव ने कहा कि पिछले 25 वर्षों से हम टेक्सटाइल व्यवसाय में कार्यरत हैं, कई तरह के उतार-चढ़ाव व्यवसाय में देखे हैं परंतु कोरोना महामारी ने तो व्यवसाय की कमर ही तोड़ दी है। मजदूर अपने अपने क्षेत्रों में चले जाने से अभी भी नया माल बनाने में दिक्क त आ रही है। विदित है कि सिमोर प्रिण्ट्स प्रा.लि. फैंसी डिजाइनर एवं प्रिण्टेड साड़ी के लिए देश भर में विख्यात है, इसके डिजाइनर कलेक्शन देशभर में चर्चित रहते हैं। अभी यह कंपनी आगामी सीजन की तैयारी के तहत नए-नए डेवलपमेंट कर रही है। एंब्रॉयडरी एवं हेवी वर्क साड़ी में कंपनी डिजाइनर कलेक्शन बना रही है, वही रेगुलर साड़ी में भी नया टेस्ट देने के लिए नया माल बना रही है। श्री यादव ने कहा कि फैक्ट्री चालू है, लेकिन मजदूरों की कमी के चलते अभी 50 प्रतिशत ही उत्पादन लिया जा रहा है। प्रोडक्शन पूरा लेने के लिए फिलहाल बड़े ऑर्डर्स का इंतजार है। उम्मीद है कि सितंबर माह के अंत तक कारोबार अच्छी रफ्तार पकड़ लेगा।

G.I.S. COTTON MILLS LTD.

PH.329333, 93525-70138

32 PC	160+GST
2/30 PC TFO	175+GST
2/40 PC Dimond	235+GST
2/40 PC White Gold	230+GST
2/30 Black Poly	155+GST
1/18 Black Poly	125+GST

GRASIM INDUSTRIES LTD.

PH. 247324, 93521-45544

2/30 NTBL	203
2/40 Dyed	238
2/50 Dyed	290

ANAND SPINNERS

PH. 260780, 9829046961

2/32 Pvt HD Solid	184+GST
2/32 Pvt HD Frosted	185+GST
2/32 Pvt HD Grindle	190+GST
2/40 Pvt HD Solid	214 +GST
2/40 Pvt HD Frosted	213+GST

ARHAM SPINNING MILLS

NAHAR GROUP

PH. 230720, 9414114056

2/40 PC Combed TFO	250
2/40 P/C Elitwist	230
2/40 Cotton Elitwist	235
2/30 Cotton Corded TFO	205
2/36 Cotton Elitwist	-----
2/36 P/C	-----
Cotton Lycra 1/14	-----
Cotton Lycra 1/16	215
Cotton Lycra 1/12	205
2/30 PV Local TFO	196

SUCHITA MARKETING PVT. LTD.

PH. 93525-36382, 94141-44161

2/30 Poly Grey	140 + GST
30 Poly Grey	129 + GST
2/30 Pv Black	195 + GST
320 Text DMS	98 + GST

RELIANCE CHEMOTEX LTD.

PH. 247711, 98290-45352

2/30 Solid	204
2/40 Solid TFO	240
2/30 Frosted	203
2/30 Black	195
2/30 Poly Gary	166

HIND SYNTEX LTD.

PH. 247916, 94141-15916

2/15 Gray Blanded	165+GST
2/30 PV	180+GST
2/20 PV 65/35	......
15S PV	150+GST
2/24 PV	173+GST
2/30 Polyester TFO	158+GST
2/20 Polyester TFO	-----

VISAKA IND. LTD.

PH. 93514-27900, 96604-14405

2/30 100% Polyester Gray	135
2/30 65/35 Black	202
2/30 65/35 Gray	165
2/40 65/35 Black	230
2/30 PV 65/35 Havy Dark Dyed	215

RSWM LTD.

PH. 247883, 9414102447

8s PV 65/35	-----	30s POLY	-----
10s PV 65/35	-----	2,3 & 4/08 POLY	-----
15s PV 65/35	-----	2 & 3/10 POLY %	-----
20s PV 65/35	-----	3/12 POLY 100 %	-----
30s PV 65/35	-----	2/20 POLY 100 %	-----
2/15 PV 65/35	-----	2/30 POLY 100 %	-----
2/18 PV 65/35	-----	2/21 PVT	-----
2/20 PV 65/35	-----	2/21 PVT RT	-----
2/24 PV 65/35	-----	2/32 PVT	-----
2/30 PV 65/35	-----	2/32 PVT RT	-----
2/36 PV 65/35	-----	1/10 PC 65/35 (Open end)	-----
2/40 PV 65/35	-----	1/12 PC 65/35 (Open end)	-----
8s POLY	-----	1/14 PC 65/35 (Open end)	-----
10s POLY	-----	1/20 PC 65/35 (Open end)	-----
15s POLY	-----	1/30 PV Black	----
20s POLY	-----	2/40 PV Milange	----

(Rs. 6/- Extra for R.T. Yarn)

BANSWARA SYNTEX LTD.

PH. 247656, 94141-11656

1/15 Dyeds Non TBL Sold	----	2/40 Dyeds Non TBL Frosted	----
1/20 Dyeds Non TBL (HT)	----	2/40 Airjet Dyeds Non TBL Sold	----
1/20 Silky Fancy	----	2/40 Airjet Non TBL Frostds	----
2/30 Dyeds Non TBL Sold	----	2/50 Dyeds TBL Solid	----
2/30 Dyeds TBL Frosted	----	**Grey**	
2/30 Airjet PV 65/35 Black	----	2/60 100% Airjet	-----
2/28 Dyed Lycra	----	2/40 100% Airjet	-----
2/40 Dyeds Non TBLSold	----	2/30 100% Airjet	-----

Shri Raj. Texchem Ltd. Shri Raj. Syntex Rajasthan Polycot

PH. 74278-96688

1/15 PV Gray	130
2/15 Grey TFO	144
2/30 PV Grey	163
2/30 Poly	138
2/18 PV Grey	146
2/24 Poly Grey	155

C.T.M.

PH. 247511, 247512, 94141-12130

2/30 NTBL	205
2/18 Dyed	184
2/40 Dyed	240
2/50 Dyed	300
2/30 Frosted	205
2/30 Dyed Slub	141
2/30 Polyster	-----
2/30 School Dress Clourer	205

R.T.M

PH. 24766, 93140-32404

2/30 Dyed Ntbl	201
2/40 Dyed	238
2/30 Frosted	201
2/30 Cotton Carded	-----
30s Cotton Comded	-----
30s Cotton Comded Weaving	-----
30s Cotton Semi Combed	-----
24s Cotton Comded	-----
Birla Tex Mills	
2/30 Cotton Carded	-----
30s Cotton Compact	-----
30s Cotton Com bed Weaving	-----
2/30 Cotton	-----
2/18 Dyed	179

Courtesy By Suresh Saraf, Mumbai

M 9322504449

150/0/ Grey Roto	099
150/350 Grey	112
150/108/350	114
80/72 Fulldull	98
480 Roto	091
640 Roto	092
150 Black DPD	097
SIYARAM SILK MILLS	
Space Dyes Yarn	160
150/350 Dyed	160

Kishangarh Yarn Bazar

PH. 98297-21313

JAGDISHKOTHIWAL
CON YARN (Per 5 K.G.)

10s Monis	580
10 Bhaskar	590
20 Patiyala Silver	780
20s Patiyala Gold	805
20s Puja viscous	665
16s cottspin	581
20s Mahadev	770
23 ST VISCOUS	......
20 ST VISCOUS	......
20 PREMIER.	760
20 Gc Thread Warp	775
20 JS	......
23 Solan	790
23 G.C. Nala Gragh	793

GST Paid

NKCM GROUP

Mob: 093611-98787

Quality	RATE
30's VSf	156
40's VSf	176
2/40' s VSf	200
30 SLUB	168
30's HT	----
13' Cotton flax	----
20 Cotton flax	----

SIDDHESHWAR TEXTILES

PH. 94141-12223, 94130-57855

Polyester Silkon Yarn

Quality	RATE
150/2-310 Dyed	170.00
100/2-210 Dyed	190.00
150/2-310 White	155.00
150/2-310 Colour	
Pulus Bright	155.00
150/2-310 Catonic Bright	165.00

VISCOSE RAYON YARN

Quality	RATE
180/2 Viscose Rayon	385.0
150/2 Viscose Rayon	435.0
100/3 & 120/3 Viscose Rayon	435.0

Other Yarn

Quality	RATE
2/30 Viscose	
100% Grey	220.00
2/40 Acrylic	
100% Grey	335.00
2/30 Acrylic	
100% Golden	365.00
2/30 Acrylic	
100% Golden Pear	415.00
400 Dn. Metallic Yarn	
Gold/ Silver	350.00
225 Dn. Metallic Yarn	
Gold/ Silve	450.00
150/350 SD	
Grey Tex	132.00
150/350 SD	
Black Tex	-------
150/400 SD	
Black Tex	-------
200/96/300 SD	
Black Tex	-------
330 Dn Black	
Hores	-------
400 Dn Black	
Miracle	-------
400 Dn White Miracle	-------

SUDHA TEXTILE AGENCY

PH. 94142-62143

150/2 Bright Dyed 138+Vat
180/2 Rayon Dyed 350+Vat
150/2 Bright White 108+Vat

Raghav Group

M. 94141-11402, 93144-66747

Raghav Agency Trident Ltd.

1/10 OE	145
1/14 OE	160
1/16 OE	165
1/20 OE	182
30 KW	215
30 CW	242
2/40 CW ELLY	240
30 CW COMPACT	250
40 CW COMPACT	270
60 CW COMPACT	328
50 CW COMPACT	229
Ankur Udyoug	
1/30 Polyester 100%	144+GST
1/20 Polyester 100%	139+GST
1/15 Polyester 100%	133+GST
Sidhartha Super Spinning Mills	
2/15 P/V Dyed OG	180+GST
2/18 P/V Black	160+GST
2/30 P/V Black	190+GST
LNJ DENIM	
6 OE	145
7 OE	146
8 OE	149
9 OE	-----
10 OE	152
10 Lycra	220
16 Lycra	230
10 Slub Lycra	230
16 Slub Lycra	-----
SRM SPINNERS LIMITED	
2/30 P/V Black	-----
2/18 P/V Black	-----

MODTEX TEXTURISERS

PH. 246496, 98292-50430

150/400 Cone Dyed	165 +GST
2/30 Cone Dyed	215 +GST
150 HIM Cone Dyed	156 +GST
300 HIM Cone Dyed	156 +GST
150/400 Gray	130 +GST

GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.

PH. 99358-27000

MAHABIR	
2/30 P/V	168
2/40 P/V	198
1/20 P/V	141
1/15 P/V	135
Janvi	
15 Psy	108
JJPL	
2/30 Black	160

GST Paid

DHANTEX (INDIA) TEXVENTURES, MUMBAI - 9322234277

QUALITY	CONST.	WIDTH	WEAVE	RATE (Rs.)	SELVEDGE
70CPT X 70CPT	96X84	63"	PLAIN	53.00	JACQUARD
70CPT X 70CPT	124X86	63"	PLAIN	58.00	JACQUARD
70CPT X 70CPT	132X108	63"	PLAIN	70.00	JACQUARD
70CPT X 70CPT	165X104	63"	SATEEN	73.00	JACQUARD
70CPT X 90CPT	96X96	63"	PLAIN	61.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	96X84	63"	PLAIN	58.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	124X80	63"	PLAIN	66.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	124X100	63"	PLAIN	76.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	144X140	63"	PLAIN	98.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	144X100	63"	PLAIN	80.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	144X80	63"	PLAIN	70.00	JACQUARD
90CPT X 90CPT	165X104	63"	SATEEN	86.00	JACQUARD
90CPT X 100CPT	144X120	63"	PLAIN	87.00	JACQUARD
90CPT X 100CPT	132X112	63"	PLAIN	80.00	JACQUARD
60 COTTON SLUB X 60 COTTTON SLUB	92X80	63"	PLAIN	64.00	JACQUARD
60 COTTON SLUB X 60 COTTTON SLUB	92X88	63"	PLAIN	68.00	JACQUARD

VALSON INDUSTRIES LTD.

PH. 94141-12223, 94130-57855 (Exclusive of GST)

Dyed Yarn

Quality	LT/MD	DARK
150/0 Weft Dyed	217.00	207.50
150/0 Rotto Dyed	222.00	232.00
150/350 Cone Dyed	233.00	243.00
85/0 Rotto Dyed	231.00	241.00
85/300 Dyed	231.00	241.00
85 Royal Rotto Twist Dyed	249.00	259.00
80/72 Rotto Cotluk Dyed	256.00	266.00
80/34/600 Dyed Yarn	261.50	271.50
150/350 Bright Dyed	268.00	278.00

Grey Yarn

Denier	Net Rate
80/300 Grey Yarn	136.00
80 Royal Warp Rotto	138.00
80/72/2 Royal Warp Catonic	162.00
80/72/2 FD Cotlook HIM	164.00
80/2/72/300 FD Roto	191.00
80 Roto White Yarn	174.00
150/325 Twisted Grey	145.00
150/325 Dope Dyed Black	150.00
150/500 Dope Dyed Black	149.00
155/2/250 Twisted Grey	153.00

Fancy Yarn-

250 Galaxy	274.00	2/45 Innova Dyed	234.00
160 Tex Space Dyed Sober	229.00	170/350 Bright Space Dyed	215.00
160 Bright Space Dyed	229.00	170/350 Sundram	234.00

PANIPAT YARN

Mob: 9416031498

TEXTURISE	
150 Roto Grey	110-120
150 Roto Black	115-120
150 Roto Bright	120-130
150 Roto Dyed	120-130
150/250 Roto Grey	125
150/250 Roto Dyed	149-160
150 Fdy	105
P.V. Yarn	
2/30 Grey CL	170
2/40 POLY	180
2/15 Poly CL	125
2/20 Poly CL	133
20 Poly	119-134
Cotton Yarn	
4 CONE	55-69
6 CONE	60-90
8 CONE	75-100
10 CONE	75-100
2/4 CONE	60-82
2/6 CONE	75-110
2/8 CONE	84-120
2/10 CONE	85-130
2/20 CONE	145-185
2/30 CONE	225
2/40 CONE	255
STAPLE YARN	
10 CONE	198
15 CONE	200
20 CONE	205
2/15 CONE	208
2/40 CONE	259

NEETA YARNS

Ph. 022-28335766, 093246-70428 (M) 98210-82022

Fancy Yarn Per Kg

30/62 Alpine	212 + GST
2/60 PVT	214 + GST
155/2 Bright S&Z	145 + GST
2/80 PC Combed	311 + GST
2/76 Polyster	248 + GST
2/60 P.V.	251 + GST

Amartex®
BRAND TRUSTED BY MILLIONS

अमरटेक्स इण्डस्ट्रीज लि.

टेक्सटाइल सेक्टर में उम्दा क्वालिटी उत्पादों का निर्माण एवं आपूर्ति में जानी-मानी कम्पनी

पंचकुला/ अमरटेक्स इण्डस्ट्रीज लि. कम्पनी की शुरूआत सन् 1988 में चंडीगढ़ के ग्रोवर परिवार द्वारा की गई थी। बहुत ही कम पूंजी निवेश से शुरूआत करते हुए कम्पनी ने निरन्तर डेवलपमेंट के साथ आज पूरी तरह एकीकृत विनिर्माण कम्पनी के रूप में टेक्सटाइल सेक्टर में अपना वर्चस्व स्थापित किया है। वर्तमान में 500 करोड़ के टर्नओवर के साथ उत्तर भारत के कपड़ा उद्योग क्षेत्र में इसने संगठित रूप में कपड़ा उत्पादन, रिटेल आपूर्ति के साथ उपभोक्ता की कई घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने में व्यापक सफलता हासिल की है। कम्पनी के मालिक श्री अरूण ग्रोवर के बेहतरीन अनुभव एवं कुशल नेतृत्व ने कम्पनी को इस मुकाम तक पहुंचाया है। इसी क्रम में इनके युवा पुत्र श्री वरुण ग्रोवर ने कम्पनी के कारोबार में प्रशिक्षित स्टाफ एवं उच्च प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्तायुक्त वस्त्र प्रदान करने में दक्षता हासिल की है।

हम उत्कृष्टता, प्रवीणता और प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित एक उद्यम का निर्माण करने का प्रयास करते हैं जो ग्राहकों की संतुष्टि को अधिकतम करता है और सभी व्यसवसायिक सहयोगियों और हितधारकों के लिए महान मूल्य बनाता है। हम अमरर्टेक्स को सबसे विश्वसनीय कम्पनी और बिजनेस लीडर बनाने की आकांक्षा रखते हैं।

ARUN GROVER FOUNDER & CMD, AMARTEX

अमरटेक्स इण्डस्ट्रीज लि. ग्राहक केंद्रित संगठन के रूप में विकसित होने के साथ-साथ असाधारण वित्तीय प्रदर्शन के लिए प्रयास करना और लाखों ग्राहकों को सर्वोत्तम मूल्य पर अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराना ही कम्पनी का प्रमुख मकसद है। कम्पनी हजारों युवाओं को उनकी क्षमता के अनुरूप व्यवसायी बनाकर और उन्हें चैनल पार्टनर बनाकर राष्ट्र निर्माण में सहायता करती है।

कम्पनी के उत्पाद एवं गतिविधियां

यूनिफॉर्म फैब्रिक– स्कूल्स, कॉरपोरेट, और इन्स्टीट्यूशन्स में यूनिफॉर्म की मुख्य परंपरा उसकी इमेज को मजबूत बनाती है। अमरटेक्स सबसे बड़े यूनिफॉर्म फैब्रिक निर्माताओं में से एक और फाइनेस्ट क्वालिटी फैब्रिक का मुख्य सप्लायर है।

वीविंग युनिट– कम्पनी के अपने वेल-इक्विप्ड वीविंग प्लांट में स्विस सल्जर लूम्स, बेस्ट यार्न्स के उपयोग और सबसे मुश्किल बुनाई द्वारा सूटिंग एवं शर्टिंग फैब्रिक्स की बहुमुखी रेंज तैयार की जाती है, जो आगे की प्रक्रिया में आने वाली सभी कठिनाइयों का सामना करने में सक्षम है।

निटिंग युनिट– उपभोक्ता की पसंद, फैशन की आवश्यकता और वाजिब दाम पर कम्फर्ट प्रदान करने के लिये कम्पनी विश्व की बेहतरीन डिजाइन्स और मशीनों का उपयोग करती है।

डाईंग प्रोसेसिंग युनिट– फाइबर डाइड/ यार्न डाइड और पीस डाइड/ डाइड फैब्रिक जैसे पोली विस्कोस ब्लेण्डेड, शतप्रतिशत पोलिएस्टर, पोलिएस्टर कॉटन एवं शतप्रतिशत कॉटन के लिये कम्पनी के प्लांट सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं। इसके प्लांट सभी प्रकार की खास फिनिश, जैसे पीच एवं बेक्टीरियल फिनिश देने में समर्थ हैं।

गारमेंट युनिट– कंपनी की अत्याधुनिक गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग युनिट स्त्री, पुरुष और बच्चों के लिए डिजाइनर गारमेंट्स की विश्वस्तरीय रेंज का निर्माण करती है। निर्माण के विभिन्न चरणों पर कठोर सुपरविजन के साथ गारमेंट की उत्कृष्ट क्वालिटी उत्पादित की जाती है।

डिजाइन स्टूडियो– लेटेस्ट कंप्यूटराइज्ड गेजेटरी और भारत के ख्यातनाम इंस्टिट्यूट के बेस्ट डिजाइनर्स से युक्त डिजाइन स्टूडियो पर उपभोक्ताओं के आईडिया को फैशनेबल परिधानों का रूप दिया जाता है।

रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट– अल्ट्रा मॉडर्न आर एंड डी सुविधा और कठोर क्वालिटी नियम अमरटेक्स की मुख्य एसेट है। कंपनी की आर एण्ड डी टीम के पास जबरदस्त टैलेंट है, जो अपनी क्रिएटिविटी, टेक्नोलॉजी, स्किल्स एवं अनुभव द्वारा आगामी ट्रेंड्स का अनुमान लगाते हुए नए बिजनेस सॉल्यूशन प्रदान करती है।

सुपर मार्केट रिटेल चेन – कंपनी के मल्टी लोकेशन रिटेल स्टोर्स देश के उत्तरी क्षेत्र में पूर्णतया फैले हुए हैं। यही कंपनी का कमिटमेंट 'वेल्यू फॉर मनी' को पूरा करने का मुख्य स्त्रोत है। अमरटेक्स के स्टोर्स पर समाज की सभी श्रेणियों के लिए टेक्सटाइल से लेकर एफएमसीजी के सभी उत्पाद मौजूद हैं। यह उपभोक्ताओं को एक ही छत के नीचे लगभग सभी उत्पाद उपलब्ध कराते हुए वेल्यू फॉर मनी का श्रेष्ठ उदाहरण पेश करते हैं। इसके अलावा आगामी 2 वर्षों में कंपनी द्वारा 100 नए रिटेल स्टोर्स खोलने की योजना है।

Weaving Unit

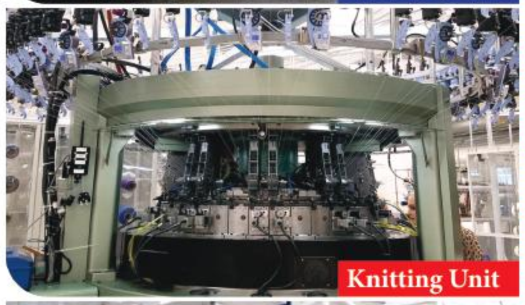
Knitting Unit

Dyeing & Processing Unit

Garment Unit

Unifrom Fabric

Research & Development

Brands
Amartex UNIFORM FABRICS | GROVIANO ITALY | Li'l saint JUNIORS FASHION | MEERA Women Fashion | RAJWADAS THE ROYAL ETHNIC ATTIRE | Amartex Family Mart

Head Office : #365, Amartex Road, Industrial Area, Phase-1, Panchkula (Haryana) - 134 113
Gurugram Corporate Office : #16, Sector 44, Huda City Centre, Gurugram (Haryana) - 122 003
Mumbai Office : B-1, Gala no 105-108, Anmol Textile Market, Above Kotak Mahindra Bank, Anjur Phata, Bhiwandi (Thane) - 421 302
MAKE IN INDIA
Tel: 0172-2586399, 2562483, 78886 91695 E-mail: customercare@amartex.com Website : www.amartex.com

टेवेरो ब्राण्ड ने स्विस एण्टी वायरल तकनीक हाइकु से निर्मित मास्क मुम्बई पुलिस एवं बीएमसी को दिए

मुम्बई/ लगभग 5 माह पश्चात भी कोरोना महामारी निरन्तर बढ़ती जा रही है। दिन-प्रतिदिन भारत में पॉजीटिव व्यक्तियों की संख्या बढ़ती दिखाई दे रही है, वहीं इस बीमारी को ध्यान में रखते हुए हमारे काफी भामाशाहों ने अपने-अपने स्तर पर प्रयास किये हैं। इसी क्रम में प्रतिष्ठित शर्टिंग ब्राण्ड टेवेरो की प्रतिनिधि श्रीमती कृति अडानी एवं हेमंत कल्याणकर द्वारा बेहतर तकनीक से बने स्विस एण्टीवायरल टेक्सटाइल तकनीक हाइकु वायरब्लॉक से निर्मित 1500 मास्क मुम्बई पुलिस कमिश्नर श्री परमवीर सिंह व मुम्बई के मेयर श्री किशोर पेडनेकर को दिए। वे हमारे उन सभी डॉक्टर्स, नर्स, पुलिस, सरकारी कर्मचारी, दुकानदारों व पालिका कर्मियों को वितरित कर रहे हैं, जो इस कोरोना महामारी से हमारी सुरक्षा के लिए आगे आए हैं।

टेवेरो भारत की प्रथम कम्पनी है, जिसने टेक्सटाइल तकनीक का विकास कर मास्क लॉन्च किए हैं, यह तकनीक हाइकु द्वारा विकसित की गई है, जिसे स्वतंत्र लेबोरेट्री द्वारा 99.99 प्रतिशत सुरक्षित माना गया है, जो sars-co1-2, के लिए प्रभावी है तथा जिससे कोविड के वायरस उत्पन्न होते हैं। मास्क में प्रयुक्त होने वाले कपड़े का iso-18184 के मानदंड अनुसार विभिन्न प्रकार के वायरस के साथ परीक्षण किया जा चुका है। हाइकु वायरोब्लॉक टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी 100 प्रतिशत सुरक्षित नोन एलर्जिक है। इसका निर्माण केवल आई एन ई आई से अनुमोदित कॉस्मेटिक सामग्री के लिए किया जाता है। हाइकु वायरोब्लॉक तकनीक का मास्क पर उपयोग आकस्मिक परिस्थितियों में करने का अनुमोदन यूएस एफडीए द्वारा किया जा चुका है।हाइकु ग्रुप स्विजरलैंड के सीईओ श्री कार्लो सेंटोजे ने अपने स्टेटमेंट में कहा कि हाइकु बायरोब्लॉक तकनीक चांदी व वेसिकल तकनीक का सम्मिश्रण है, जो इंसान के कोरोना वायरस 229-E व sars-co1-2, जिससे कोविड-19 की उत्पत्ति हुई है, के लिए प्रभावी है व ऐसे वायरस को 30 मिनट में 99.99 प्रतिशत तक खत्म कर देता है। यह सुरक्षित व हाइपर जनिक व पेटेंट पेंडिग तकनीक से युक्त है।

टेवेरो मास्क, सॉफ्ट निटेड कॉटन से 2 परतों में बनाया जाता है, जो मुलायम व आरामदायक है। इसमें दोनों परतों को एंटीवायरल ट्रीटमेंट से निकाला गया है, जो सुरक्षा के लिए पूर्णता सुरक्षित है। दोनों परतों के बीच मेल्टब्लाउन फैब्रिक लगाया गया है, जो 98.5 प्रतिशत तक बेक्टीरिया से रक्षा करता है। ऐसे मास्क समय की मांग के अनुरूप हैं।

एडवोकेट एवं वृहत मुम्बई सार्वजनिक गणेशोत्सव समन्वय समिति की अध्यक्ष श्री नरेश दहिबावकर ने अपने संबोधन में कहा कि मैं इस प्रयास का हिस्सा बनकर अति प्रसन्न हूं। मुंबई में स्थिति विकट है और ऐसे में पुलिस व बीएमई कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर व्यवस्था को बनाए रखा है। उन्हें इस प्रकार की सुरक्षा व बचाव की सख्त आवश्यकता है। सोसाइटीज एवं नई पीढ़ी को इस अभियान में सहयोग करते देखकर सुखद अनुभूति हो रही है।

हाइकु की टीम को टेवेरा का हिस्सा बनने पर गर्व है। यह ऐसे प्रोजेक्ट हैं जो प्रभावशाली मास्क से लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। गत महीनों में मास्क को रि-शेप करने के क्रम में टेवेरा ने हर संभव तकनीक युक्त उत्पाद दिए हैं, ताकि सोसाइटीज में बड़े पैमाने पर जोखिम कम की जा सके। हाइकु का कहना है कि हम इसका सहभागी बनने पर अत्यंत प्रसन्न हैं, जो उपभोक्त ाओं को बेहतरीन सहयोग के साथ उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही है व उन्हें वापस आम आदमी के साथ मिलने योग्य बना रही है। मास्क के अलावा टेवेरा इसी तकनीक से ग्लब्स व फैशन फैब्रिक निकट भविष्य में लांच करने जा रही है, जो आम आदमी के लिए जीवाणुओं से सुरक्षा में सहायक होगी। मास्क सभी प्रमुख उत्पाद फार्मेसी रिटेलर्स व ऑनलाइन उपलब्ध हैं।

श्री कृति अडानी ने कहा कि हमने सर्वाधिक सुरक्षित स्पेशल मास्क के उद्देश्य को ध्यान में रखकर इसका निर्माण किया है हमारे शोध के बारे में 21 स्वतंत्र टेक्नोलॉजी कंपनियों का कहना है की हाइकु वायरो ब्लॉक NPJ03 वायरस हटाने की श्रेष्ठतम तकनीक है व उसमें प्रयुक्त वस्त्र ISO के मानदंड के अनुरूप है। इस रिपोर्ट में हमें हाइकु का सहभागी बनने पर उत्साहवर्धन किया। हमारा उत्पाद अतिरिक्त रूप से सुरक्षित है तथा इसमें हमने अधिक सुरक्षित बनाने के लिए गारमेंट का उपयोग 5 के स्थान पर 10 प्रतिशत किया है, जो सुरक्षा को अधिक प्रभावशाली बनाता है व देर तक प्रभावी रहता है। वस्तुतः यह मात्रा हाइकु द्वारा प्रस्तावित की गई है, ताकि विकट स्थिति में भी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

VIRUS SHIELD® BY TEVERO Fashion Meets Science

टेवेरो एक ऐसा ब्राण्ड है, जिसे फैशन के जनक व विज्ञान के रूप में जाना जाता है। इसकी Intelli-Science® रेंज में नवीनतम फेशन फैब्रिक का समय की मांग से अनुरूप निर्माण किया जाता है। इसका उद्देश्य यूरोपियन पनाचे, भारत की वाइब्रेसी व तकनीक के मिश्रण से ऐसा उत्पाद तैयार करने की है, जो फैशन व आधुनिकता का पर्याय हो। टेवेरो की मार्केटिंग कृशा एण्टरप्राइजेज एल एल पी द्वारा किया जाता है।

Postal Registration No BHILWARA/208/2018-2020
RNI Registration No. 71772/98

फैंसी एवं महंगे फैब्रिक्स में मांग का अभाव
कम भाव पर भी पुराने कपड़ों में कोई लेवाल नहीं
विंटर प्रोग्रामों पर जोर

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

कपड़ा बाजार में सामान्य ढंग से कामकाज नहीं हो रहा है। दिसावरी मण्डियों में ग्राहकी का कुछ अता पता नहीं है। दिसावरों के व्यापारी बाजारों में नहीं आ रहे हैं। जो जरूरी समझते हैं, उसका आर्डर भी ऑनलाइन के माध्यम से देते हैं। उत्पादन स्तर पर फैंसी कपड़ों पर कोई जोर नहीं है। अभी इनकी मांग भी नहीं है। पहले का भी भरपूर स्टॉक पड़ा है, कपड़ों की खरीदी नहीं है। कोविड-19 के कारण पिछले चार-पांच महीने से घरों में बंद लोगों के पास रूपये की भारी किल्लत है। नौकरी पेशा और स्वरोजगार वालों पर दोहरी मार पड़ी है। महंगाई इतनी बढ़ी है कि घर खर्च चलाने में भी कठिनाई हो रही है। कपड़े में अब विंटर सीजन की तैयारी जोरदार ढंग से की जा रही है। फैंसी एवं पार्टी वीयर कपड़ों की मांग न तो थोक बाजार में और न ही रिटेल में है। रिटेल स्तर पर सिर्फ घरों में इस्तेमाल होते आइटमों की ही मांग है। कोराना संक्रमण के डर से घरों में रह रहे लोगों की मांग इन्हीं आइटमों की निकला करती है। रिटेल स्तर पर ऐसे आइटम की बिक्री बाजारों के खुलने पर बड़ी तेजी से बढ़ी थी, लेकिन इसमें भी ठहराव आ गया है। सूटिंग एवं शर्टिंग की कोई मांग नहीं है। इतना ही, नहीं पुराने स्टॉक कम भाव पर लेने को भी ग्राहक तैयार नहीं है। बाजार में इन दिनों सीमित प्रमाण में उचित दाम पर दैनिक उपयोग के आइटमों की ही मांग है। त्योहारों के शुरू होने पर उम्मीद की जा रही थी कि अब बाजार में कामकाज गतिशील होगा, जो फीका ही साबित हुआ है।

वीविंग क्षेत्र में स्थितियां धीरे-धीरे सुधरती जा रही है। जहां पहले बहुत कम लूमों पर कपड़ों का उत्पादन हो रहा था, वहां अच्छी बढ़ोतरी हुई है। प्रोसेसिंग इकाईयों में कुछ सुधार हुआ है। भिवंडी में गांव गए श्रमिकों के लौटने से लूमों पर उत्पादन बढ़ने लगा है। कॉटन यार्न मजबूत होने से ग्रे सूती कपड़ों के भाव भी बढ़ाकर बोले जा रहे हैं। इचलकरंजी में 50 से 60 प्रतिशत लूमों पर ग्रे कपड़ा उतर रहा है, लेकिन यहां लूम एक पाली में ही चल रहे हैं। जिन लूमों पर पहले मर्दानी कॉटन धोती का उत्पादन हो रहा था, अब धोती की मांग नहीं होने से इन लूमों को कैम्ब्रिक के उत्पादन में बदल दिया गया है। पोपलीन एवं ट्वील की लागत में फर्क नहीं होने से भाव एक समान हो गए हैं।

निर्यात की दृष्टि से वैश्विक स्थितियां फिलहाल अच्छी नहीं होने से कपड़ों की मांग नहीं है। चालू वर्ष में कोरोना के कारण निर्यात बहुत ही कमजोर अथवा यों कहें कि संभव ही नहीं हो सका। अब जब वैश्विक स्तर पर भी स्थितियां धीरे-धीरे सुधर रही है, ऐसे में देश से कपड़ों का निर्यात सुधरने में समय लग सकता है। जिस प्रकार से पिछले कुछ समय से चीन को लेकर वैश्विक परिस्थितियां बदली हैं,नये समीकरण बने हैं, उसे देखते हुए देश तथा अन्य राज्यों के उन प्रमुख केंद्रों से निर्यात के नये द्वार खुल रहे हैं। विशेषकर टेक्सटाइल उत्पादों का निर्यात करने के लिए अच्छा एवं अनुकूल समय आ गया है, जरूरत सिर्फ उचित एवं योग्य कदम उठाने की है, ताकि निर्यातकों को प्रोत्साहन मिले।

चीन से आयात रोकने पर जोर है, फिर भी आयात हो रहा है। चीन की जड़ें कपड़ा उद्योग के कुछ क्षेत्रों में बहुत गहरी हैं और इनके विकल्प अभी सीमित हैं। टेक्सटाइल के कच्चे माल का चीन से आयात रोकना जरूरी है। चीन से कपड़ों का सस्ता आयात तभी रुक सकता है, जब देश में उच्च दर्जे एवं टेक्नोलॉजी वाली मशीनों के माध्यम से फैंसी तथा आकर्षक फैब्रिक का बड़े स्तर पर उत्पादन किया जाए। इसके लिए मशीनों के आधुनिक होने के साथ कुशल कारीगरों की उद्योग को जरूरत है। कपड़ा उद्योग क्षेत्र में चीन को तगड़ी प्रतिस्पर्धा देने के लिए सबसे पहले टेक्सटाइल मशीनरी क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाना होगा। रोजगार सृजन और निर्यात बढ़ाने की यही मजबूत कड़ी है। एक रिपोर्ट के अनुसार आज भी टेक्सटाइल मशीनरी का अधिकांश आयात चीन से किया जाता है। देश में एम्ब्रॉयडरी व वीविंग क्षेत्र में जरूरी मशीनों के लिए चीन पर निर्भरता को नकार नहीं सकते। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत में ऐसी मशीनों का उत्पादन पिछले वर्षो की तुलना में अब सुधरा है। जिस मशीन का उत्पादन चाहिए, वह हो रहा है। रिपोर्ट कहती है कि सूरत में साड़ी, ड्रेस मटीरियल, लहंगा इत्यादि पर लगाया जाता स्टोन-टीकी, सीक्वेंस, बार्डर, लेसपट्टी का आयात बड़े पैमाने पर चीन से किया जाता है। चीन से आयात यह सामान इतना सस्ता होता है कि सूरत के स्थानीय उत्पादक चीन के प्रतिस्पर्धी भाव में यह माल उपलब्ध नहीं करा सकते हैं। आयात की विसंगति के इस कारण को दूर करना होगा।

ग्रे कपड़ों में एयरजेट लूम की 40/40, 124/64, 63'' पना पोपलीन का भाव हाल 52 रू है। 40/40, 132/72, 63'' क्वालिटी के ग्रे का भाव 53 रू और 40/40, 132/72 क्वालिटी का 54 रू है। फिलहाल ट्वील का भाव भी इसी तरह है, क्योंकि दोनो के उत्पादन की लागत एक समान आ रही है। 30/30 रेयॉन 48'' पना 14 किलो की क्वालिटी का भाव 30 रू है, तो 12 किलो की क्वालिटी का भाव 28 रू है 68/60, 63''पना 17 से 17.50 किलो की क्वालिटी के रेयॉन का भाव 38 रू है।चीन की वेल्वेट 58''से 60'' पना का प्रति मीटर भाव 225 से 250 रू है। विंटर सीजन में इसकी मांग बहुत अधिक होती है, इसका उपयोग कोट एवं लेडीजवेर में सबसे अधिक होता है।

एक दशक में पहली बार गिरा बांग्लादेश का कॉटन आयात

नई दिल्ली

कोविड के कारण एक दशक में पहली बार 2019-20 के दौरान बांग्लादेश के कॉटन आयात में गिरावट दर्ज की गई है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश गारमेंट निर्यात में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश, है लेकिन कॉटन के लिए लगभग पूरी तरह आयात पर निर्भर है और अपनी खपत की अधिकांश कॉटन पूर्ति आयात से करता है। गत 10 वर्षों से बांग्लादेश के कॉटन आयात में लगातार वृद्धि हो रही थी, क्योंकि वहां से गारमेंट निर्यात बढ़ रहा था। बांग्लादेश कॉटन का आयात भारत, अमेरिका, पाकिस्तान, आस्ट्रेलिया आदि देशों से करता है।

बहरहाल, कोविड-19 का प्रकोप आरंभ होते ही इसे रोकने के लिए लागू लॉकडाउन के कारण वहां पर मिलें बंद हुई और इसका सीधा असर कॉटन की मांग और आयात पर पड़ा। बांग्लादेश टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन (बीटीएमए) के अनुसार वित्त वर्ष (जुलाई-जून) में बांग्लादेश का कॉटन आयात लगभग 13.4 प्रतिशत गिर कर 71 लाख गांठ रह गया। सूत्रों का कहना है कि इस वर्ष फरवरी गारमेंट निर्यातकों की फैब्रिक की मांग और मिलों की यार्न की मांग के कारण वहां पर कॉटन का आयात लगातार बढ़ रहा था, लेकिन सरकार द्वारा लॉकडाउन की घोषणा के बाद स्थिति बदल गई। बांग्लादेश सरकार द्वारा कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए 26 मार्च से दो महीने के लिए सामान्य अवकाश की घोषणा के बाद मिलों में उत्पादन प्रभावित होने से आयात भी घट गया। लॉकडाउन के कारण मई तक कपड़ा मिलें पूरी तरह बंद रही लेकिन उन्होंने नए आयात के बजाए पुराने स्टॉक का ही प्रयोग किया, हालांकि महामारी के कारण कॉटन व सिन्थेटिक यार्न आदि के भाव में भारी गिरावट आ चुकी थी।

उल्लेखनीय है कि कोविड के कारण विश्व बाजार में मांग नहीं होने से कॉटन के भाव में भारी मंदा आया था, जबकि अब कुछ सुधार है लेकिन कोविड से पहले की तुलना में नीचे ही बने हुए हैं। अनेक विकसित देशों द्वारा बांग्लादेश से गारमेंट के आयात पर टेक्स में रियायत देने के कारण वहां पर गारमेंट उद्योग तेजी से बढ़ रहा था और पिछले दस वर्षों से कॉटन का आयात लगातार बढ़ता आ रहा था। एक अनुमान के अनुसार बांग्लादेश में उसकी खपत की केवल 3 प्रतिशत काटन का ही उत्पादन होता है। सूत्रों के अनुसार अब वहां पर टेक्सटाइल सेक्टर में गतिविधियां आरंभ होने से मांग में सुधार का अनुमान है। इसी बीच, स्पिनिंग और वीविंग मिलों के पास भारी मात्रा में कॉटन और यार्न का स्टॉक जमा होने के समाचार हैं। व्यापारियों का मानना है कि अब बांग्लादेश की रेडीमेड गारमेंट निर्माताओं और निर्यातकों के पास नए ऑर्डर आने आरंभ हो गए हैं, इससे जल्दी ही वहां पर पड़ा स्टॉक समाप्त हो जाने का अनुमान है और आशा है कि मिलें कॉटन का आयात दोबारा प्रारंभ कर देंगी। कुछ जानकारों का कहना है कि सितम्बर के बाद यदि यूरोप से गारमेंट के अधिक आयात ऑर्डर मिलते हैं तो संभव है कि वहां पर फैब्रिक की कमी अनुभव की जाने लगे, क्योंकि फैब्रिक का स्टॉक कम है। बांग्लादेश के गारमेंट निर्यातकों को आशा है कि जनवरी तक वहां पर स्थिति सामान्य हो जाएगी। बांग्लादेश में लगभग 450 स्पिनिंग मिलें हैं, जिनकी वहां के कुल निर्यात में गारमेंट की प्रमुख हिस्सेदारी है और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका है।

National Handloom Week: Liva stands by the artisans and weavers across India

Mumbai/ Liva, the fashion ingredient brand from Birla Cellulose and part of Grasim Industries Ltd, flagship company of US $48.3-billion Aditya Birla Group, has supported over 150 handloom saree artisans and weavers across the country in 2019. On the National Handloom Week, Liva has pledged to provide further support to artisans and weavers across handloom saree hubs in India including Varanasi (Uttar Pradesh), Chanderi (Madhya Pradesh), Orissa, Andhra Pradesh, Telangana and Tamil Nadu to innovate handloom sarees and reignite the demand.

Through the association, artisans get easy access to a wider market and designers which otherwise would have be out of reach. Liva acts as a facilitator wherein the company ropes in designers and value chain partners and promote knowledge sharing on handloom sarees. By providing accessibility to the world of fashion through the association, Liva enables the artisans in the handloom saree hubs across the country to turn self-reliant.

With this initiative Liva, the leading viscose player in the country, is introducing newer fibres such as viscose in the handloom sector as the industry gears up to stay relevant in the ever-competitive market.

"As a major player in the viscose market, we consider ourselves to be an enabler. Liva has always been in the forefront of promoting Indian Textile Industry. We want to enable the entire value chain of the handloom industry to showcase their art, talent, and various applications across verticals. With LAPF Studio and through our accredited value chain partners, we're able to provide access to the handloom industry as well," **said Rajeev Gopal, Global Chief Sales and Marketing officer, Pulp and Fibre Business, Aditya Birla Group.**

Artisans and weavers see access to new fabric and market as a win-win situation. "Liva didn't just provide a premium quality fabric, but also helped us in exploring new market," said Gorelal Phoolchand Jain, Managing Director, Chanderi Handloom, Madhya Pradesh. Most users now recommend viscose fabric to produce premium handloom sarees. "The outcome of Liva in handloom products is commendable. Not only the feel is great but sheen, drape and fall everything is outstanding. Liva has given a new scope of development to handloom industry. I highly recommend Liva to every consumer and manufacturer," said Ahmad Hussain – Chairman, Haji Usman Ghani and Company, Varanasi.

The rich heritage of the Indian handloom industry dates back to the Indus Valley Civilization with the history of exports to Europe and Africa. The craftsmanship and talent of Indian Handloom industries has been unmatched ever since. After experiencing a lull due to the competition from cheaper imports; the sector is slowly getting back the recognition it deserves. The 'Vocal for Local' campaign by the Prime Minister is gaining prominence and there is immense hope that the handloom sector will get its due with increased awareness and emphasis on products 'Made in India.'

टेक्सटाइल पॉलिसी 2018-23 लागू
उद्योग को सहारा देगी राज्य सरकार

मुंबई/ राज्य के कपड़ा उद्योग को गति देने के लिए सरकार ने नई टेक्सटाइल पॉलिसी 2018-23 बनाई है,जिसे लागू किया गया है। पॉलिसी के तहत राज्य में 2019-20 में 188 स्पिनिंग मिलों और 36 कम्पोजिट टेक्सटाइल मिलों से 48.39 लाख स्पिंडल्स तथा 43863 रोटर तैयार करने का लक्ष्य था, लेकिन कोरोना लॉकडाउन के कारण इस लक्ष्य पर पानी फिर गया है। राज्य सरकार कपड़ा उद्योग को राहत पेकेज देने जा रही है। इससे पहले की सरकार ने भी 2011-17 के लिए टेक्सटाइल पॉलिसी बनाई थी, इसके तहत सरकार ने 20,000 करोड़ रू के निवेश और तीन लाख नये रोजगार सृजन का अनुमान लगाया था। इसके मुकाबले कितना लक्ष्य हासिल हुआ, इसकी जानकारी नहीं है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि कपड़ा उद्योग ने पिछले पांच से छह महीने में जबदस्त मार खाई है, और अब इसे उबारना है। एक बड़ा वर्ग इससे जुड़ा हुआ भी है। लंबे लॉकडाउन के कारण सबकी हालत खराब है। इस उद्योग को तुरंत पेकेज एवं राहत की जरूरत है। राज्य को केंद्र सरकार के सहयोग से जल्द इसका ऐलान करना चाहिए। नई टेक्सटाइल पॉलिसी को यदि पूरी तरह से लागू कर दिया जाए तो इससे लाखों लोगों को फौरी राहत मिल सकती है। राज्य के कपड़ा उद्योग को आर्थिक पेकेज की इस समय सख्त जरूरत है। राज्य सरकार उद्योग की मदद करने के लिए योजना बना रही है। राज्य के वस्त्रोद्योग मंत्री श्री असलम शेख का कहना है कि हमने केंद्र सरकार से मदद की गुहार लगाई है।

यह एक ऐसा उद्योग है, जहां सबसे अधिक लोगों को रोजगार मिलता है। लोगों के रोजगार और कारोबार को बनाए रखने के लिए कपड़ा उद्योग को आर्थिक पेकेज देने की नितांत आवश्यकता है। राज्य के कपड़ा उद्योग की हालत पहले से ही खराब चल रही है और इसी कारण यह उद्योग गुजरात सहित अन्य राज्यों की ओर पलायन कर रहा है। इस पलायन रोकने के लिए पिछली सरकार ने कपड़ा उद्योग को बिजली की दरों में राहत दी थी। सरकार की यह खुराक राज्य के कपड़ा उद्योग को मिलने से पहले ही लॉकडाउन के कारण उत्पन्न हुई स्थितियों ने इनकी सेहत को और बिगाड़ दिया। अब राज्य सरकार टेक्सटाइल उद्योग को खराब होती स्थिति से उबारने की कोशिश कर रही है।

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए डीबी प्रिन्ट सोल्यूशन्स (ए यूनिट ऑफ डीबी कॉर्प लि.) बी-27-28, पांसल चौराहा, पुर रोड, भीलवाड़ा (राज.) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। **संपादक-योगेन्द्र शर्मा।**